दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-103 सीहोर, रविवार 07 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अंडर-18 एशिया कप में भारत बना चैंपियन

एमपी हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों ने दिलाया स्वर्ण

भोपाल (ए.)। जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित पुरुष -18 एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में दमदार खेल का प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर एशिया का खिताब हासिल किया और देश का गौरव बढ़ाया।भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक सफलता में पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों में आयुष रजक (गोलकीपर), अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन एवं गाज़ी खान शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम योगदान दिया।

सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराकर फाइनल में बनाई जगह

भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक की राह में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस शानदार जीत ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और टीम ने उसी आत्मविश्वास के साथ फाइनल मुकाबले में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के बीच भारत का दबदबा

29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष अंडर-18 हॉकी टीमों ने भाग लिया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित, तेज और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों पर अपना दबदबा बनाए रखा। फाइनल में शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने एशियाई हॉकी में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण

पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन और स्वर्ण पदक विजेता दल का हिस्सा बनना मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि प्रदेश की खेल अकादमियों में दिए जा रहे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इन खिलाड़ियों की सफलता ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करने में अग्रणी राज्यों में शामिल है।

जापान में तिरंगाः अंडर-18 एशिया कप विजेता भारतीय हॉकी टीम को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भोपाल । जापान के काकामिगाहारा में आयोजित पुरुष अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार विजय प्राप्त कर देश का मान बढ़ाया है। इस ऐतिहासिक जीत पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय टीम को बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस उपलब्धि में मध्यप्रदेश का भी महत्वपूर्ण योगदान है। पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन और स्वर्ण पदक विजेता दल का हिस्सा बनना मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि आज भारतीय खिलाड़ी न सिर्फ हॉकी, बल्कि कई अन्य खेलों में भी विश्व पटल पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। वैश्विक खेल जगत के अनेक क्षेत्रों में भारत की विजयी पताका लगातार लहरा रही है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा की पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारे युवा खिलाड़ियों ने अटूट टीम भावना और अद्भुत खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। यह जीत उनकी कड़ी मेहनत और देश के प्रति समर्पण का परिणाम है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन (LAC) व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

दिल्ली और सिलीगुड़ी के बीच दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, पटना समेत इन शहरों को जोड़ेगीः वैष्णव

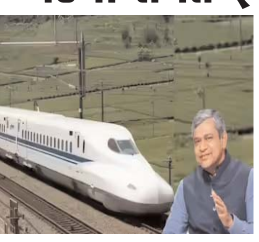

कोलकाता (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में बुलेट ट्रेन लाने का वादा किया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान यह जानकारी दी. रेल मंत्री ने बताया कि 42 वर्षों में कोलकाता मेट्रो नेटवर्क का केवल 28 किलोमीटर हिस्सा ही पूरा हो पाया था, जबकि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किलोमीटर मेट्रो लाइनें जोड़ी गई हैं.रेल मंत्री ने शनिवार को कहा कि राज्य के लिए बुलेट ट्रेन शुरू करने का फैसला किया गया है. यह ट्रेन दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और पटना होते हुए सिलीगुड़ी को जोड़ेगी. इस सफर में सिर्फ छह घंटे लगेंगे और यह आरामदायक होगा. अगले पांच सालों में कोलकाता मेट्रो के लिए 60 नई पीढ़ी की ट्रेनें शुरू की जाएंगी और उम्मीद है कि डबल-इंजन सरकार के तहत पश्चिम बंगाल में रेलवे प्रोजेक्ट्स को नई रफ्तार मिलेगी।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा; अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे।

यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।प्रदर्शन शामिल हुए सोनम वांगचुकप्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, CPI नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके के साथ मंच पर पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की थी। सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके के साथ मंच पर पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की थी।कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए।

सीबीएसई 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करती रहेगी विवादित कोएम्प्ट एडुटेक

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रक्रिया को लेकर विवादों में आई कोएम्प्ट एडुटेक से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कक्षा 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का काम फिलहाल यही कंपनी करती रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोएम्प्ट एडुटेक 12वीं के पुनर्मूल्यांकन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग जारी रखेगा, जिसके लिए ओएसएम का उपयोग किया जाएगा। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि डेटा लीक और साइबर हमलों से बचाव के लिए सीबीएसई ने अब कोएम्प्ट के सर्वर से सारा जरूरी डेटा अपने सर्वर पर ट्रांसफर कर लिया है। यानी उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करने की तकनीकी प्रक्रिया कोएम्प्ट एडुटेक ही करती रहेगी, लेकिन छात्रों की जानकारी को स्टोर करने और उन पर नियंत्रण रखने का काम अब सीधे सीबीएसई के पास आ गया है।सीबीएसई ने इस साल 12वीं बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ऑनलाइन किया था। इसके लिए उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन किया गया, जिसका ठेका कोएम्प्ट एडुटेक नामक एक कंपनी को मिला है।

आंधी-बारिश का अलर्ट, कई जिलों में तेज हवाओं और बारिश से जनजीवन प्रभावित

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली। शाजापुर में ओले गिरे, जबकि नर्मदापुरम, सीहोर, देवास, इटारसी, सिवनी मालवा और खरगोन समेत कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़कर गिर गए। मौसम विभाग ने भोपाल और इंदौर सहित 21 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अगले 24 घंटों के दौरान सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, नरसिंहपुर, इंदौर, देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, शाजापुर, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, सिवनी और बालाघाट में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। राजधानी भोपाल में शनिवार दोपहर के बाद मौसम अचानक बदल गया और तेज हवा के साथ बारिश हुई।मौसम विभाग ने गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, देवास, हरदा और बैतूल जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटों में सतना में सबसे तेज 59 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। इसके अलावा सीहोर में 48, आगर-मालवा में 44, धार और गुना में 43 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार दर्ज की गई। सागर और खंडवा में 41, बैतूल में 39, भोपाल में 37, विदिशा, नर्मदापुरम और अशोकनगर में 35 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।

केरल में भारी बारिश, पांच जिलों में रेड अलर्ट घोषित, चार लोगों की मौत

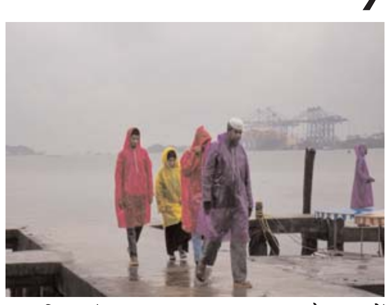

तिरुवनंतपुरम, (आरएनएस)। केरल में मानसून के आ जाने के बाद बारिश का दौर शुरू हो गया है. इसी के मद्देनजर भारतीय मौसम विभाग ने पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है. वहीं बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने कासरगोड, कन्नूर, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों में रेड अलर्ट जारी है. इस बीच, पठानमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, त्रिशूर और पलक्कड़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और अलप्पुझा के लिए यलो अलर्ट रखा गया है। खराब मौसम को देखते हुए, जिला कलेक्टरों ने मलप्पुरम को छोड़कर, रेड अलर्ट वाले चार जिलों में व्यावसायिक कॉलेजों समेत सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है. अधिकारियों ने बताया कि अगर तेज बारिश जारी रही तो और जिलों में छुट्टी बढ़ाई जा सकती है। बारिश से जुड़ी आपदाओं और सड़कों की खराब हालत के कारण राज्य के अलग-अलग हिस्सों से कुल चार मौतें हुईं. त्रिशूर में, मनालूर के त्रिशनाथ हाउस में रहने वाले विष्णु नाम के एक 27 साल के आदमी की घर पर पेड़ गिरने से मौत हो गई। बताया जाता है कि सुबह की भारी बारिश में बड़ा पेड़ उखड़ गया और सीधे उसके कमरे पर गिर गया. पुलिस और फायर फोर्स के लोगों ने पेड़ की टहनियों को काटकर उसे बाहर निकाला और त्रिशूर जिला अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया।

खान सर ने दायर की जमानत याचिका, वकील ने आत्मसमर्पण करने की खबरों को गलत बताया

पटना, (आरएनएस)। बिहार के प्रसिद्ध शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक फैजल खान (खान सर) ने कोचिंग संस्थान में हुई हिंसा और कथित गोलीबारी के मामले में जमानत याचिका दायर की है। उनके वकील ने कहा कि वे आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। इससे पहले खबर आई थी कि खान सर आत्मसमर्पण करने जा रहे हैं। इस मामले में खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। दरअसल, 2 जून की रात 15-20 लोगों ने पटना स्थित खान सर के कोचिंग संस्थान पर हमला कर दिया था। हमलावरों ने वहां जमकर तोड़फोड़ की और पथराव भी किया। खान सर ने आरोप लगाया था कि उनके पास के कोचिंग संचालक ने यह हमला करवाया है। इसके बाद पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक रौशन आनंद, अभिषेक कुमार और गौरव कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।इस दौरान एक वीडियो सामने आया, जिसमें खान सर के 2 सुरक्षाकर्मी गोलीबारी करते दिख रहे थे, इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। घटना पर खान सर ने सफाई देते हुए कहा कि मारपीट हो रही थी और पुलिस के पहुंचने में देरी को देखते हुए आत्मरक्षा में गोलीबारी की गई थी। इसके बाद आर्म्स एक्ट में खान सर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी।

मीनाक्षी नटराजन एक कार में अकेलीं पीसीसी पहुंचीं

भोपाल (आरएनएस)। राज्यसभा सांसद के लिए एमपी से कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन आज भोपाल पहुंचीं। उनके भोपाल पहुंचने पर कोई उत्साह नजर नहीं आया। वे अकेलीं एक कार से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से मिलने पहुंचीं। इसके बाद वे अकेली ही कार से पीसीसी पहुंचीं।मीनाक्षी नटराजन जब पीसीसी पहुंचीं तो प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष गौरव रघुवंशी, महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल सहित गिने-चुने आठ-दस कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए पहुंचे। पीसीसी में उन्होंने चुनाव आयोग कार्य विभाग के प्रभारी जेपी धनोपिया के साथ बैठकर नॉमिनेशन फार्म की औपचारिकताएं पूरी कीं।

विविध-समाचार

हिमाचल में भूकंप के तीन झटके, कई मकान क्षतिग्रस्त; पालमपुर में अस्पताल की छत गिरी

शिमला, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के कारण रातभर लोग दहशत में रहे हैं। रात 10.04 बजे हुआ 5 की तीव्रता के भूकंप के बाद दो बार फिर धरती हिली। 11.04 बजे 2.8 और 11.52 बजे 3 तीव्रता का भूकंप आया। तीनों का केंद्र चंबा जिले में ही रहा। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। पहला झटका काफी तेज था, जिस कारण कई जगह नुकसान भी हुआ है। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कई जगह घरों में दरारें आई हैं। यहां होटलों में ठहरे पर्यटक भी सहम कर कमरों से बाहर आ गए। होटलों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

तीन बच्चों समेत 4 लोगों की मौत, रीवा सिलेंडर ब्लास्ट से दहला इलाका

रीवा, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ के पैपखरा गांव में गैस सिलेंडर से हुए रिसाव के बाद भड़की आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस भीषण अग्नितांडव में तीन मासूम बच्चे और उनकी बुजुर्ग दादी बुरी तरह झुलस गए थे। सभी को आनन-फानन में अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद इनमें से किसी को भी बचाया नहीं जा सका। एक हंसते-खेलते परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

शाइना एनसी बनीं शिवसेना की राष्ट्रीय सचिव, एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे का जताया आभार

मुंबई, (आरएनएस)। भाजपा की पूर्व नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शाइना एनसी को शिवसेना का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। शाइना एनसी ने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का आभार जताया। शाइना एनसी ने बयान जारी कर कहा, विनम्रता के साथ मैं हमारे नेता एकनाथ शिंदे और डॉ. श्रीकांत शिंदे का मुझे शिवसेना का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त करने के लिए धन्यवाद करती हूं। यह नियुक्ति बाला साहेब ठाकरे जी और आनंद दिघे साहेब के आशीर्वाद से मिली है। पार्टी के सभी नेताओं का इस अवसर के लिए धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा कि वे पार्टी को मजबूत करने और विकसित भारत के लिए हिंदुत्व की विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगी।

पंजाब के फिरोजपुर में पिकअप और ट्राले की भिडंत, 8 लोगों की मौत

फिरोजपुर (आरएनएस)। पंजाब के फिरोजपुर में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां पिकअप वाहन और ट्राले की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई है। इस हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है और 10 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर जंगावाला मोड़ के पास हुई। फिलहाल घायलों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे और वे जलालाबाद से अमृतसर के ब्यास जा रहे थे। ये सभी लोग किसी परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए। गंभीर रूप से घायलों को फरीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

म.प्र. बना निवेश एवं निर्यात का नया केंद्र, लैटिन अमेरिकी देशों में बढ़ रही 'मेड इन एमपी' उत्पादों की मांग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश है असीम अवसरों की धरती, यहां निवेश बड़े फायदे का सौदा

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के नए वैश्विक निवेश एवं निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। हमारा मध्यप्रदेश अब वैश्विक व्यापार जगत में भी अपनी सशक्त पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत तथा लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों के बीच बढ़ती परस्पर आर्थिक साझेदारी में मध्यप्रदेश भी अपनी अधिकतम क्षमताओं के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश असीम अवसरों की धरती है। प्रदेश की स्थिर और पारदर्शी नीतियां निवेश और उद्योग फ्रेंडली हैं। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, फार्मा इंडस्ट्री, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, डिफेंस सेक्टर, और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में हम तेजी से प्रगति कर रहे हैं। हमारे पास 1.25 लाख एकड़ से अधिक का रेडी-टू-यूज़ लैंड बैंक उपलब्ध है। आज मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा हब बन चुका है। प्रदेश में 5 लाख किमी से अधिक के सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और अत्याधुनिक रेल व हवाई कनेक्टिविटी ने यातायात को सुगम बना दिया है। अगले 5 सालों में हम 6 प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करेंगे, जो मालवा से बुंदेलखंड और निमाड़ से विंध्य तक रोड़ कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लैटिन-अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों के व्यापार प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में निवेश, उत्पादन और नवाचार के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि हम

आपके साथ एक ठोस और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण व्यापार-व्यवसाय के लिए सबसे अनुकूल स्थान है। राज्य में कानून- व्यवस्था की कोई परेशानी नहीं है। यहां औद्योगिक कुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। मध्यप्रदेश सबको अपनाने वाला राज्य है, जो एक बार आता है, यहीं का होकर रह जाता है। मध्यप्रदेश में खुले दिल से निवेश करें, यहां निवेश करना बड़े लाभ का सौदा है मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन व्यापार एवं निवेश मंच - 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर इस ट्रेड फोरम के उद्घाटन सत्र का विधिवत् आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन व्यापार एवं निवेश फोरम-2026 के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए डिजिटल प्लेटफार्म और वेबसाइट का रिमोट से शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन देशों के साझा व्यापार-व्यवसाय पर केन्द्रित स्पेशल मैगजीन द बिजनेस टायकून्स का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत वित्त वर्ष 2025-26 में मध्यप्रदेश का लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों को निर्यात बढ़कर 3 हज़ार 835 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इस उपलब्धि में फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की विशेष भूमिका रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद एवं जंबो बैग, कृषि आधारित उत्पाद तथा विनिर्माण क्षेत्र प्रदेश की निर्यात क्षमता के प्रमुख आधार बनकर उभरे हैं। ब्राजील, मेक्सिको, चिली, डोमिनिकन रिपब्लिक, अर्जेंटीना, पेरू और कोलंबिया जैसे देशों के साथ मध्यप्रदेश का व्यापारिक विनिमय लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियन देशों में 'मेड इन इंडिया' के साथ 'मेड इन एमपी' उत्पादों को मिल रहे स्नेह, अपनत्व, विश्वास और दिनों-दिन बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सुशासन और नेतृत्व क्षमता के बल पर मालवा को नई पहचान दिलवाई थी।

मई माह में सवारी डिब्बा कारखाना भोपाल ने 94 कोचों का अनुरक्षण किया

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल रेल कारखाने में कोचों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग कार्य निरंतर उत्कृष्टता के साथ किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम माह अप्रैल में 96 कोचों एवं मई माह में 94 कोचों का सफलतापूर्वक पीरियोडिक ओवर हॉलिंग (पीओएच) कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में पश्चिम मध्य रेल के सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 1336 कोचों का अनुरक्षण किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में भोपाल कारखाना प्रबंधन ने टीम भावना और सुनियोजित कार्ययोजना के साथ यह सफलता हासिल की।

पीरियोडिक ओवर हॉलिंग के दौरान निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं-

कोचों की बॉडी और अंडरगियर की मरम्मत कर परिचालन में अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। ट्रॉली, बोगी के सभी महत्वपूर्ण पार्ट्स की मरम्मत की जाती है, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एयर ब्रेक सिस्टम, बफर व अन्य संरचनात्मक उपकरणों की मरम्मत की जाती है ताकि यात्रियों को झटका-रहित और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके। व्हील और एक्सल का रखरखाव और मरम्मत कर परिचालन सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरुकता दिवस के तहत भोपाल मंडल में विशेष जनजागरुकता अभियान

कुंभराज स्टेशन के समपार फाटक पर सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा नियमों की दी गई जानकारी

भोपाल (निप्र)। रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 06 जून से 12 जून 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस के अंतर्गत विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत मंडल के विभिन्न समपार फाटकों पर सड़क उपयोगकर्ताओं को रेल समपार पार करते समय अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में इंजीनियरिंग, परिचालन, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा समपार फाटकों पर विशेष काउंसिलिंग एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित कर समपार सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस अभियान के प्रथम दिन 06 जून 2026 को कुंभराज स्टेशन यार्ड स्थित समपार फाटक संख्या 91 बी-2 पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान यातायात निरीक्षकहलीम खान तथा स्टेशन प्रबंधक गजवी वैरबा द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान 50 सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा 10 सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए गए। अभियान के दौरान लोगों को बंद समपार फाटक को पार न करने, रेलगाड़ी के आगमन से पूर्व दोनों ओर देखकर ही समपार पार करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि थोड़ी सी असावधानी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

साइबर सुरक्षा एवं एआई-एमएल के क्षेत्र में युवाओं का हुआ कौशल संवर्धन

एमपीएसईडीसी की पहल से 4 से अधिक विद्यार्थियों को मिला प्रशिक्षण

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा उद्योग साझेदार एवं एसएसआरजीएसपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी,बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस और एआईएसईसीटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और एआई एवं एमएल जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के कौशल का विकास करना और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था। समापन दिवस पर आयोजित तकनीकी सत्रों में डेटा सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग और साइबर खतरों की पहचान और प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। डेटा सिक्योरिटी फंडामेंटल्स सत्र में डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, डेटा गवर्नेंस एवं नियामकीय अनुपालन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

वहीं सिक्योर कोडिंग एंड डेवलपर सिक्योरिटी प्रैक्टिसेज सत्र में सॉफ्टवेयर विकास प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (एसओसी), थ्रेट डिटेक्शन, मॉनिटरिंग एंड रिस्पॉन्स विषयक सत्र में प्रतिभागियों को आधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र, एसआईईएम प्लेटफॉर्म, एंडपॉइंट डिटेक्शन सिस्टम तथा वल्नरेबिलिटी स्कैनिंग उपकरणों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही साइबर खतरों की पहचान और रोकथाम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर भी जानकारी साझा की गई।

मई माह में सवारी डिब्बा कारखाना भोपाल ने 94 कोचों का अनुरक्षण किया

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल रेल कारखाने में कोचों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग कार्य निरंतर उत्कृष्टता के साथ किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम माह अप्रैल में 96 कोचों एवं मई माह में 94 कोचों का सफलतापूर्वक पीरियोडिक ओवर हॉलिंग (पीओएच) कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में पश्चिम मध्य रेल के सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 1336 कोचों का अनुरक्षण किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में भोपाल कारखाना प्रबंधन ने टीम भावना और सुनियोजित कार्ययोजना के साथ यह सफलता हासिल की।

पीरियोडिक ओवर हॉलिंग के दौरान निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं:-

कोचों की बॉडी और अंडरगियर की मरम्मत कर परिचालन में अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। ट्रॉली, बोगी के सभी महत्वपूर्ण पार्ट्स की मरम्मत की जाती है, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एयर ब्रेक सिस्टम, बफर व अन्य संरचनात्मक उपकरणों की मरम्मत की जाती है ताकि यात्रियों को झटका-रहित और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके। व्हील और एक्सल का रखरखाव और मरम्मत कर परिचालन सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है।

कृषि, उद्यानिकी और सहकारिता के संयुक्त प्रयासों से किसानों को दें बेहतर सुविधाएं

भोपाल (ए.)। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने खरीफ की आगामी फसलों के संबंध में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार की मांग आधारित फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। इन सामूहिक प्रयासों से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अच्छी फसल मार्केट में उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़गी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए। श्री बर्णवाल शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय उज्जैन के सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता डी पी आहूजा, सचिव किसान कल्याण निशांत बरबडे, आयुक्त उज्जैन आशीष सिंह, सचिव उद्यानिकी जान किन्सली ए आर, आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी अरविंद कुमार दुबे, प्रबन्ध संचालक सहकारिता अभिजित अग्रवाल, पंजीयक सहकारिता मनोज पुष्प, प्रबन्ध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरुषोत्तम और संभाग के जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ के साथ ही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में भारत-लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन (LAC) व्यापर एवं निवेश फोरम-2026 को सम्बोधित किया।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी में परिवहन उप निरीक्षकों का बुनियादी प्रशिक्षण संपन्न

21 प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्राप्त किया आधुनिक पुलिसिंग एवं यातायात प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में आयोजित तीन माह अवधि के परिवहन उप निरीक्षक बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार के मुख्य आतिथ्य में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम 09 मार्च से 05 जून तक संचालित किया गया, जिसमें 21 परिवहन उप निरीक्षकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार ने प्रशिक्षु अधिकारियों को पुलिस सेवा में उच्च नैतिक मूल्यों, अनुशासन, संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ग्लोबल स्किल पार्क के सामने बड़ी कार्रवाई, 70 दुकानें और 42 झुग्गिया हटाई

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रायसेन रोड के चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन ने शनिवार को बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान पिपलानी चमारन स्थित लेबर कॉलोनी झुग्गी बस्ती और ग्लोबल स्किल पार्क के सामने से 70 दुकानें तथा 42 झुग्गियां हटाई गईं। प्रशासन के अनुसार अतिक्रमणमुक्त कराई गई जमीन का बाजार मूल्य 40 करोड़ रुपए से अधिक है।कार्रवाई एसडीएम भुवन गुप्ता और तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में प्रशासन, पुलिस और नगर निगम के संयुक्त अमले ने की। सुबह शुरू हुई कार्रवाई दोपहर तक चली। प्रशासन का कहना है कि संबंधित लोगों ने पीडब्ल्यूडी सड़क की भूमि पर लंबे समय से अवैध कब्जा कर रखा था, जिससे सड़क चौड़ीकरण परियोजना प्रभावित हो रही थी।

प्रशासन के मुताबिक लगभग 210 मीटर लंबाई में सड़क के दोनों ओर करीब 4 हजार वर्गमीटर (लगभग 43 हजार वर्गफीट) सरकारी जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। इस भूमि की अनुमानित बाजार कीमत करीब 40 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसी स्थान पर अब पीडब्ल्यूडी द्वारा फोरलेन सड़क और पुल का निर्माण कराया जाएगा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का स्थानीय लोगों और कांग्रेस नेताओं ने विरोध किया। कांग्रेस का आरोप है कि प्रभावित परिवारों और दुकानदारों को पर्याप्त समय और वैकल्पिक व्यवस्था दिए बिना कार्रवाई की गई। श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर गरीब और मेहनतकश लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उनका आरोप है कि बरसात के मौसम में लोगों को बेघर और बेरोजगार करना संवेदनहीनता को दर्शाता है।

सोशल मीडिया पर फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सावधान रहें, भोपाल मंडल ने जारी की चेतावनी

रेलवे में भर्ती केवल आरआरबी एवं आरआरसी के माध्यम से, नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि न दें

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने युवाओं एवं अभिभावकों को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी है। मंडल के संज्ञान में आया है कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रेलवे भर्ती के नाम से भ्रामक एवं फर्जी विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर आर्थिक ठगी का प्रयास किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भारतीय रेलवे में सभी भर्तियां निर्धारित नियमों एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ केवल रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) तथा रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) के माध्यम से ही की जाती हैं। रेलवे द्वारा किसी भी पद पर प्रत्यक्ष भर्ती, बिना परीक्षा नियुक्ति अथवा किसी निजी एजेंसी के माध्यम से चयन की कोई व्यवस्था नहीं है। रेल प्रशासन ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे बिना परीक्षा भर्ती, डायरेक्ट जॉइनिंग, तुरंत नियुक्ति, सीमित योग्यता पर सरकारी नौकरी अथवा निश्चित चयन जैसे दावे पूरी तरह भ्रामक एवं फर्जी हैं। ऐसे विज्ञापनों में रेलवे का नाम, लोगो अथवा विभिन्न रेलवे स्टेशनों के नामों का अनधिकृत उपयोग कर युवाओं को गुमराह करने का प्रयास किया जाता है। इन विज्ञापनों का भारतीय रेलवे अथवा भोपाल मंडल से कोई संबंध नहीं है।

भोपाल मंडल ने युवाओं से अपील की है कि वे किसी भी भर्ती संबंधी सूचना की सत्यता केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जांचें तथा नौकरी दिलाने के नाम पर किसी व्यक्ति, संस्था या एजेंसी को धनराशि का भुगतान न करें। यदि किसी को इस प्रकार का संदिग्ध विज्ञापन प्राप्त होता है अथवा कोई व्यक्ति रेलवे में नौकरी दिलाने का दावा करता है, तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 अथवा संबंधित अधिकारियों को दें। साथ ही ऐसे फर्जी विज्ञापनों की शिकायत संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी दर्ज कराएं। रेलवे भर्ती संबंधी सभी प्रामाणिक एवं अद्यतन जानकारी केवल भारतीय रेलवे, रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) तथा रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध होती है। रेल प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि भर्ती संबंधी जानकारी के लिए केवल अधिकृत माध्यमों पर ही विश्वास करें तथा किसी भी प्रकार के फर्जी प्रचार-प्रसार से सतर्क रहें।

प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी की होगी अपनी विशिष्ट अपार आईडी

विद्यार्थियों के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड रहेंगे डिजिटल रूप से सुरक्षित, प्रदेश में अपार आईडी (A PAAR-ID) निर्माण के लिए विशेष अभियान शुरू

भोपाल (ए.)। प्रदेश के सभी विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित और एक ही जगह पर उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में अपार आईडी निर्माण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की समस्त स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा के आंकडों के अनुसार प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 39 लाख 38 हजार स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जाएगी। अब तक 93 लाख 97 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण हो चुका है। शेष 44 लाख 47 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी का निर्माण आगामी 30 जून तक पूरा जाएगा। प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लगभग 1 करोड़ 39 लाख 38 हजार विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें शासकीय स्कूलों के 70 लाख 09 हज़ार 516 विद्यार्थी तथा अशासकीय स्कूलों के 69 लाख 28 हज़ार 218 विद्यार्थी शामिल हैं। प्रदेश की सभी स्कूलों में मेगा अपार दिवस का 30 जून तक आयोजन किया जाएगा। यह प्रत्येक शनिवार को होगा। इसी कडी में आज 6 जून को स्कूलों में पहले अपार दिवस का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में अभिभावकों के साथ स्कूल पहुंचे विद्यार्थियों ने अपना अपार पंजीयन कराया। अपार आईडी किसी भी विद्यार्थी के लिए जीवन भर की डिजीटल शैक्षणिक पहचान होती है। इसमें विद्यार्थी के सभी शैक्षणिक रिकॉर्डस एक जगह सुरक्षित रहते हैं। यह एक डिजीटल और पेपरलेस रिकार्ड सिस्टम है। अपार आईडी, छात्रवृति, प्रवेश एवं सरकारी योजनाओं में सहायक होने के साथ ही कहीं भी कभी भी उपयोगी होगी है। विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्मित करवाने के लिए आयुक्त लोक शिक्षण और संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने मई माह में संयुक्त हस्ताक्षर से सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र प्रेषित किया था। जिसके अनुक्रम में इन शिविरों में अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों के अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण कराई जा रही है।

वृंदावन जा रही श्रद्धालुओं की बस मंडला में पलटी, 25 लोग घायल, 11 गंभीर; मची चीख पुकार

मंडला (ए.)। मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर शनिवार सुबह तीर्थयात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें 11 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, बस में लगभग 50 श्रद्धालु सवार थे, जो छत्तीसगढ़ के दुर्ग से उत्तर प्रदेश के वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे। शनिवार सुबह मोइयानाला के पास अचानक बस चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क किनारे पलट गई।

घटना की सूचना मिलते ही बीजाडांडी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत

एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से बीजाडांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

मौके पर निवास एसडीओपी और बीजाडांडी थाना प्रभारी अनिता कुडापे मौजूद रहीं तथा उन्होंने बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी की। थाना प्रभारी अनिता कुडापे ने बताया कि हादसे में घायल 11 यात्रियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार स्थानीय स्तर पर जारी है।

दुर्घटना के बाद बस में सवार अन्य यात्रियों को बीजाडांडी स्थित राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में सुरक्षित ठहराया गया है। प्रशासन द्वारा उनके भोजन एवं जलपान की व्यवस्था भी की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में चालक द्वारा वाहन से नियंत्रण खोना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

ओडिशा से लाया था गांजा, पांच किलो से ज्यादा माल के साथ तस्कर गिरफ्तार; पुलिस ने नाकाम किया मंसूबा

उज्जैन (ए.)। बड़नगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के एक मामले का खुलासा करते हुए ओडिशा के कंधमाल निवासी 23 वर्षीय अनंत को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 5 किलो 165 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.29 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 4 जून की दोपहर मुखबिर से सूचना मिली थी कि

रतलाम रोड पर एक युवक बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में खड़ा है और किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अशोक पाटीदार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा, लेकिन करीब 100 मीटर तक पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान उसके बैग से 5 किलो 165 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर उज्जैन आया था और इसे स्थानीय स्तर पर बेचने की योजना थी। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के खिलाफ ओडिशा में पहले से एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बड़नगर थाने में अपराध क्रमांक 346/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। अब पुलिस उससे सप्लाई चेन, स्थानीय खरीदारों और गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

14 साल से फरार 10 हजार का इनामी वारंटी गिरफ्तार

फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत माधवनगर थाना पुलिस ने 14 वर्ष से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी स्थायी वारंटी अविनाश सुनहरा को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी अविनाश सुनहरा (45) पिता रमेशचंद्र सुनहरा, हीरा मिल की चाल, उज्जैन का निवासी है।

इंदौर में आवारा कुत्ते ने 42 लोगों को काटा, निगम की रेस्क्यू टीम पर मदद नहीं करने का आरोप

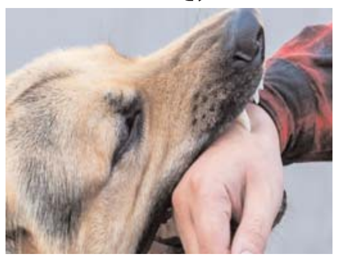

इंदौर (ए.)। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक आवारा कुत्ते ने आतंक मचा दिया। कुत्ते ने अलग-अलग इलाकों में 42 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया। सबसे पहले उसने क्षेत्र स्थित अरविंदो अस्पताल में हमला किया, जहां दो डॉक्टरों समेत 16 लोगों को काट लिया। घायलों में महिलाएं, पुरुष और अस्पताल कर्मचारी शामिल हैं। अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना इंदौर नगर निगम को दी। आरोप है कि नगर निगम की रेस्क्यू टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में व्यस्त होने का हवाला देते हुए मौके पर पहुंचने में असमर्थता जताई। इस दौरान कुत्ता अस्पताल परिसर और आसपास के क्षेत्र में लोगों व वाहन चालकों पर हमला करता रहा।

शिवपुरी में रफ्तार का कहरः बेकाबू डंपर ने चार लोगों को कुचला, तीन की मौत; एक की हालत गंभीर

शिवपुरी (ए.)। शिवपुरी जिले के करैरा-भितरवार मार्ग पर शनिवार देर रात रफ्तार का कहर देखने को मिला। हाजीनगर के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, हाजीनगर स्थित सतना ढाबा के सामने कुछ लोग खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान करैरा की ओर से आ रहा एक खाली डंपर अचानक अनियंत्रित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर तेज गति से चल रहा था। चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी।

बाबा महाकाल के दरबार की राह में हादसा, भतीजे के साथ जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत

उज्जैन (ए.)। बाबा महाकाल के दर्शन की आस लेकर निकली एक श्रद्धालु की यात्रा अधूरी रह गई। इंदौर से भतीजे के साथ बाइक पर उज्जैन आ रही 55 वर्षीय राजकुमारी साहू की सड़क हादसे में मौत हो गई।

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के ललितपुर की रहने वाली राजकुमारी साहू कुछ दिन पहले अपनी बहन के घर इंदौर आई थीं। शनिवार सुबह वह अपने भतीजे रितिक साहू के साथ बाइक से महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन रवाना हुई थीं। इंदौर रोड स्थित टोल नाके के पास अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे पीछे बैठीं राजकुमारी सड़क पर गिर गईं। गिरते ही उनका सिर सीमेंटेड डिवाइडर से टकरा गया।

हादसे के दौरान पीछे दूसरी गाड़ी से आ रहे उनके दामाद रामू साहू ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बाइक चला रहे रितिक को इस दुर्घटना में कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। दर्शन की इच्छा लेकर निकली राजकुमारी की असमय मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

उधर, भैरवगढ़ क्षेत्र के उन्हेल रोड पर एक अन्य सड़क हादसे में 40 वर्षीय मजदूर बलराम पिता सिद्धू की मौत हो गई। बलराम शुक्रवार को मजदूरी के लिए घर से निकले थे। शाम को काम खत्म कर बाइक से घर लौटते समय अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

यूट्यूब पर 'रील्स' दिखाना भारी पड़ाः गहनों के शो ऑफ ने चोरों को दिया न्यौता, फेमस यूट्यूबर के घर लाखों की चोरी

शिवपुरी (ए.)। सोशल मीडिया पर चमक-दमक दिखाना जिले की फेमस यू ट्यूबर रचना गुर्जर को भारी पड़ गया। लाइक्स और फेम की चाह में रचना ने खुद ही चोरों को अपने घर का न्यौता दे दिया। नरवर क्षेत्र के मोहानी ख्यावदा गांव में रहने वाली रचना के घर शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया और लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। खास बात यह है कि रचना ने कुछ दिन पहले ही यूट्यूब पर सोने के आभूषण पहनकर वीडियो अपलोड किया था। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने उसी वीडियो को देखकर घर को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार वारदात के समय परिवार के सभी सदस्य पहली मंजिल पर बने कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान बदमाश सीढ़ी के सहारे घर में दाखिल हुए और बाउंड्री की तार-जाली काटकर अंदर

प्रवेश कर गए। चोरों ने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरों की दिशा बदल दी, ताकि उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। इसके बाद उन्होंने रचना गुर्जर के कमरे की कुंडी बाहर से लगा दी और नीचे के कमरों में रखी अलमारियों व बक्सों के ताले तोड़कर सोने की चेन, अंगूठियां, कंगन, चांदी की पायल और करीब 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

सुबह करीब 4 बजे रचना जब पानी पीने के लिए उठीं तो कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। उन्होंने परिजनों को फोन कर बुलाया। दरवाजा खुलने के बाद जब परिवार नीचे पहुंचा तो घर के कई ताले टूटे मिले और अलमारी का सामान बिखरा हुआ था और लॉकर में रखे गहने भी गायब मिले। इसके बाद डायल-100 और पुलिस को सूचना दी गई।ये भी पढ़ें=

सूचना मिलने पर मगरौनी चौकी पुलिस और नरवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

व्यापार समाचार

पश्चिम एशिया संकट के बीच मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था, लेकिन FY27 के लिए क्या हैं चुनौतियां?

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2025-26 में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.7 प्रतिशत की मजबूत विकास दर हासिल की है। हालांकि, जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ के बावजूद, अर्थशास्त्रियों ने आगाह किया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक अनिश्चितता के कारण चालू वित्त वर्ष (FY2026-27) में विकास की यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

अनुमान से बेहतर रहे आंकड़े और वृद्धि के मुख्य कारण

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, FY26 की चौथी तिमाही में GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 8 प्रतिशत के बाद एक मजबूत आंकड़ा है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी के मुताबिक, यह वृद्धि पश्चिम एशिया संकट जैसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हासिल की गई है और पिछले 10 तिमाहियों के औसत से काफी ऊपर है। डेलॉइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने बताया कि 7.9 प्रतिशत की सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) वृद्धि दर यह दर्शाती है कि अर्थव्यवस्था का विस्तार केवल मांग पर आधारित नहीं है, बल्कि विनिर्माण, निर्माण और सेवा क्षेत्र के मजबूत उत्पादन से भी समर्थित है।

संकट के बीच कैसे सुरक्षित रहा बाजार?

मार्च में जब मध्य पूर्व का संकट गहराया, तब भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखकर इसके बड़े असर को सफलतापूर्वक अवशोषित कर लिया। एचडीएफसी बैंक के विश्लेषण के अनुसार, इस शानदार वृद्धि के पीछे निजी उपभोक्ता खर्च और निवेश में हुई भारी बढ़ोतरी मुख्य चालक रही है। विदेशी निवेश प्रवाह को बेहतर बनाने और कर संबंधी चिंताओं को दूर करने के सरकारी उपायों ने भी अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाने में एक ढाल का काम किया है।

वित्त वर्ष 2027 के लिए नए जोखिम और विकास का आउटलुक

आने वाले समय को लेकर बाजार में सतर्कता है। क्रिसिल और एचडीएफसी बैंक ने FY27 के लिए क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि कच्चे तेल की औसत कीमत 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेगी।

अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट मानना है कि कमजोर वैश्विक विकास, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, बढ़ती लागत और सामान्य से कम मानसून का अनुमान आर्थिक गतिविधियों पर दबाव डाल सकता है। डीबीएस बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव के अनुसार, बाजार अब भविष्य के जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करेगा; यदि महंगाई अनुमानों के अनुरूप बढ़ती है, तो नीति निर्माताओं को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

एचडीएफसी बैंक ने स्पष्ट किया है कि केवल हालिया रुझानों को देखकर भविष्य का सटीक आकलन करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि वैश्विक संघर्ष और आपूर्ति व्यवधान का असली असर आने वाले महीनों के डेटा में नजर आ सकता है। हालांकि, मजबूत घरेलू मांग और सरकार के 'फ्रंट-लोडेड' पूंजीगत व्यय कार्यक्रम की बदौलत भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी एक मजबूत बफर के साथ खड़ी है।

ईरान संकट, कमजोर मानसूनः भारत पर महंगाई आधारित मंदी का खतरा, नुवामा की रिपोर्ट में चेतावनी

नई दिल्ली (ए.)। भू-राजनीतिक तनाव और ईरान संकट से तेल आपूर्ति में संभावित बाधा भारत के लिए महंगाई आधारित मंदी का जोखिम बढ़ा सकती है। नुवामा नामक वित्तीय सेवा फर्म ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद विश्लेषण रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। यह तब हुआ है जब देश की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026 को उम्मीद से बेहतर वृद्धि के साथ समाप्त किया।

वित्तीय सेवा फर्म ने आगाह किया कि वित्त वर्ष 2027 अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मार्च तिमाही में स्वस्थ आर्थिक गतिविधि के बावजूद यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से इनपुट लागत ऊंची रह सकती है। इससे परिवारों की वास्तविक आय पर भी असर पड़ेगा। अर्थव्यवस्था पहले से ही मुद्रास्फीति के दौर में है। एक लंबा आपूर्ति झटका, खासकर कमजोर मानसून के साथ, मुद्रास्फीतिजनित मंदी का जोखिम बढ़ाता है।

महंगाई आधारित मंदी वह स्थिति है जब आर्थिक वृद्धि धीमी होती है और महंगाई ऊंची बनी रहती है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 7.8 फीसदी रही थी। पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि वित्त वर्ष 2025 के 7.1 फीसदी से बढ़कर 7.7 फीसदी हो गई थी।

वृद्धि अनुमान में कटौती

नुवामा ने वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि अनुमान को घटाकर 6-6.5 फीसदी कर दिया है। हालांकि, नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद 11-12 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। यह संशोधन ईरान संकट से जुड़ी ऊंची तेल कीमतों के प्रभाव के कारण हुआ है। ऊंची इनपुट लागत से परिवारों और कारोबारों पर दबाव पड़ सकता है।

घरेलू कारक दे सकते हैं सहारा

रिपोर्ट में कुछ घरेलू कारकों का भी उल्लेख किया गया है जो नकारात्मक जोखिमों को सीमित कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक का कुशल तरलता प्रबंधन इसमें सहायक होगा। रुपये का अपेक्षाकृत कम मूल्यांकन और स्वस्थ ऋण वृद्धि भी गिरावट को कम करने में मदद कर सकती है। वित्त वर्ष 2026 में निवेश में तेजी आई थी, जो मार्च तिमाही में 10.8 फीसदी तक पहुंच गया।

अखबार में लिपटा 'जहरीला' खाना अब नहीं : FSSAI ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी, जानें इस बैन के क्या हैं मायने

नई दिल्ली (ए.)। भारत में सड़क किनारे मिलने वाले गरमा-गरम वड़ापाव या पकौड़ों को अखबार में लपेटकर देना एक आम बात है। लेकिन यह 'जुगाड़' अब महंगा पड़ सकता है। हाल ही में एक मशहूर वड़ापाव विक्रेता के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई ने फूड पैकेजिंग के खतरनाक सच को सामने ला दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने साफ कर दिया है कि अखबार में खाना लपेटना केवल असुरक्षित ही नहीं, बल्कि गैरकानूनी भी है।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

- वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया।

उपभोक्ताओं को राहतः सरकार ने खाद्य तेलों के लिए मानक पैकेजिंग आकार किए अनिवार्य, जानिए क्या बदलाव हुआ

नई दिल्ली (ए.)। उपभोक्ता मामले विभाग ने खाद्य तेलों के लिए मानक पैकेजिंग आकार निर्धारित किए हैं। यह कदम उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में मदद करेगा। इससे वे सोच-समझकर खरीदारी के निर्णय ले पाएंगे। विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी ढांचे के तहत यह प्रावधान किया है।

विभाग ने खाद्य तेलों और वसा की शुद्ध मात्रा के लिए प्रक्रिया में संशोधन किया है। मानक पैक आकार निर्धारित करने के लिए भी बदलाव किए गए हैं। निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को तीन महीने का संक्रमण काल मिलेगा। उन्हें इस अवधि में नए नियमों का पालन करना होगा। यह निर्णय प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। ये संघ देश के लगभग 90 फीसदी खाद्य तेल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता लाना है। पहले गैर-मानक पैकों के कारण उपभोक्ताओं को भ्रम होता था। अब वे आसानी से उत्पादों की तुलना कर पाएंगे।

नए मानक और नियम

संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया में नौ मानक पैक आकार निर्धारित किए गए हैं। इनमें 200 मिलीलीटर/ग्राम, 500 मिलीलीटर/ग्राम, 1 लीटर/किलोग्राम, 2 लीटर/किलोग्राम, 3 लीटर/किलोग्राम, 4 लीटर/किलोग्राम, 5 लीटर/किलोग्राम, 15 लीटर/किलोग्राम और 20 लीटर/किलोग्राम शामिल हैं। ये आकार प्रमुख खाद्य तेलों जैसे पाम, सोयाबीन, सूरजमुखी, सरसों, मूंगफली, तिल, राइस ब्रान, बिनौला और मक्के के तेल पर लागू होंगे। मिश्रित खाद्य तेलों पर भी ये नियम प्रभावी होंगे। यदि मात्रा आयतन में दर्शाई जाती है, तो समतुल्य वजन भी बताना होगा। यह लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के अनुसार होगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विपक्षी नजरिए से दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति

कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणा बिगड़ी है। इसका खराब असर आने वाले चुनावों में विपक्षी सहयोग पर पड़ सकता है।

संसद में तालमेल के अलावा इंडिया गठबंधन वैसे भी निरर्थक हो चुका था, मगर तमिलनाडु में कांग्रेस के पाला-बदल के बाद फ्लोर कॉर्डिनेशन से सामूहिक प्रभाव पैदा कर पाना भी उसके लिए कठिन हो जाएगा। चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद कांग्रेस का एकतरफा तौर पर डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके से गांठ जोड़ लेने से पैदा हुई कड़वाहट का ही नतीजा है कि डीएमके ने लोकसभा स्पीकर से अपने सदस्यों की सीटिंग व्यवस्था बदलने की गुजारिश कर दी है। उधर तमिलनाडु में कई जगहों पर डीएमके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले किए, उससे भी विपक्षी खेमे को लेकर धारणाएं बिगड़ी हैं। इसका खराब असर आने वाले चुनावों के दौरान अन्य दलों से कांग्रेस के सहयोग पर पड़ सकता है।

अगला एक प्रमुख चुनाव मैदान उत्तर प्रदेश है, जहां सपा नेता अखिलेश यादव पहले से ही कांग्रेस से कुछ हिसाब चुकता करने के अपने मूड का संकेत देते रहे हैं। महाराष्ट्र में पहले ही गठबंधन के घटक अपनी राह अलग कर चुके हैं। वहां भी कांग्रेस का रुख विवाद के केंद्र में रहा। तमिलनाडु के मामले से क्षेत्रीय दलों में यह शिकायत और गहराएगी कि परजीवी होती गई कांग्रेस अपने अतीत की थाती के आधार पर सहयोगी दलों से अधिकतम कीमत वसूलने और इस प्रयास में चुनाव से ठीक पहले माहौल बिगाड़ने की हद तक चली जाती है। जहां उसका मुकाबला किसी गैर-भाजपा दल से होता है (मसलन, दिल्ली में 'आप', पश्चिम बंगाल में टीएमसी, केरल में लेफ्ट फ्रंट), वहां इल्जाम लगाने में वह कोई संयम नहीं दिखाती। ऊपर से आम अनुभव के विपरीत कांग्रेस नेता राहुल गांधी का यह बड़बोलापन है कि भाजपा को सिर्फ कांग्रेस ही हरा सकती है। विपक्षी नजरिए से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। जिस समय गैर-भाजपा दलों में सबसे ज्यादा सहयोग और भाजपा का मुकाबला करने के एकजुट संकल्प की जरूरत है, इन दलों में समन्वय का रहा-सहा मंच भी बिखरता नजर आ रहा है। भाजपा का नीतिगत विकल्प देने के मोर्चे पर तो ये दल वैसे ही नाकाम थे, अब उनमें व्यावहारिक और चुनावी गणित आधारित सहयोग की भावना भी ओझल हो रही है।

शिक्षा का गिरता स्तर और व्यवसायीकरण की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

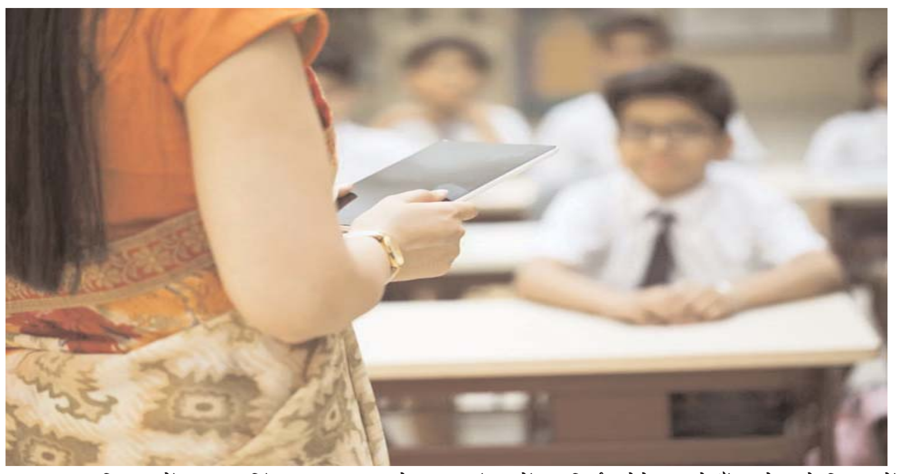

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी देश का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है क्योंकि आज के विद्यार्थी ही कल के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक और राष्ट्रनिर्माता बनते हैं। इसलिए शिक्षा का स्तर कभी गिरना नहीं चाहिए। जब शिक्षा अपनी मूल भावना से भटक जाती है, तब उसका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। दुर्भाग्य से वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ, बढ़ता व्यवसायीकरण, नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं।

हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएँ लगातार सामने आई हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में महीनों और वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है। उसके माता-पिता भी अनेक त्याग और संघर्ष करके उसकी पढ़ाई का खर्च वहन करते हैं। लेकिन जब परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाता है, तब लाखों विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे मामलों में केवल परीक्षा ही रद्द नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों का मनोबल भी टूटता है। उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास उत्पन्न होता है। वे यह सोचने लगते हैं कि क्या ईमानदार परिश्रम का कोई मूल्य नहीं रह गया है। इसलिए पेपर लीक जैसी घटनाएँ केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र पर लगा एक कलंक हैं।

शिक्षा का उद्देश्य सदैव ज्ञान, विवेक और संस्कार प्रदान करना रहा है। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं दिया जाता था, बल्कि उन्हें सत्य, अहिंसा, अनुशासन, सेवा, करुणा और राष्ट्रभक्ति जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती थी। गुरु अपने शिष्यों के व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान देते थे। आज स्थिति बदल चुकी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में अंकों, डिग्रियों और रोजगार की चर्चा अधिक होती है, जबकि चरित्र निर्माण और नैतिक शिक्षा पीछे छूटती जा रही है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार करना है, केवल नौकरी पाने वाले व्यक्तियों का निर्माण करना नहीं।

वर्तमान समय में शिक्षा अपेक्षित स्तर की नहीं दिखाई देती। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण है। आज शिक्षा सेवा से अधिक उद्योग बनती जा रही है। अनेक निजी शिक्षण संस्थानों का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय अधिक से अधिक लाभ कमाना बन गया है। विद्यालयों और कॉलेजों की ऊँची फीस सामान्य परिवारों के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर कोचिंग और अन्य सुविधाओं तक हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्रवृत्ति दिखाई देती है। शिक्षा अब समाज सेवा का माध्यम कम और व्यापार का साधन अधिक बनती जा रही है।

कोचिंग संस्कृति ने भी शिक्षा को प्रभावित किया है। विद्यार्थी विद्यालय की पढ़ाई से अधिक कोचिंग संस्थानों पर निर्भर होते जा रहे हैं। बड़े-बड़े विज्ञापनों और आकर्षक परिणामों के माध्यम से शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे शिक्षा का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है। विद्यार्थियों पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ गया है। सफलता को केवल अंकों और रैंक से मापा जाने लगा है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

शिक्षा के व्यवसायीकरण का एक दुष्परिणाम यह भी है कि समाज में असमानता बढ़ रही है। आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को महंगे विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में भेज सकते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। शिक्षा का अधिकार सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए है, लेकिन जब शिक्षा अत्यधिक महंगी हो जाती है, तब यह समानता का सिद्धांत कमजोर पड़ने लगता है।आज आवश्यकता केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास करने की है। बचपन में प्राप्त संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। माता-पिता और शिक्षक दोनों ही विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हो, तो विद्यार्थी केवल सफल पेशेवर ही नहीं बल्कि अच्छे इंसान भी बन सकते हैं। ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण शिक्षा के माध्यम से विकसित किए जाने चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। जब शिक्षक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तब विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। इसी प्रकार अभिभावकों को भी बच्चों पर केवल अंक प्राप्त करने का दबाव डालने के बजाय उनके व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है, केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं।

सरकार और शिक्षा प्रशासन को भी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाना चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्णतः रोक लग सके। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का साहस न कर सके। साथ ही, शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, नैतिकता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए।नई शिक्षा नीति और विभिन्न सुधारात्मक प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब उनका उद्देश्य केवल तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाना न होकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हो। शिक्षा को रोजगार से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन उसे केवल रोजगार तक सीमित कर देना उचित नहीं है। शिक्षा का संबंध व्यक्ति के विचार, व्यवहार, चरित्र और सामाजिक चेतना से भी है।अंततः कहा जा सकता है कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसका स्तर गिरना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ विद्यार्थियों की मेहनत और सपनों के साथ अन्याय हैं तथा समाज पर कलंक के समान हैं। शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण भी इसकी मूल भावना को कमजोर कर रहा है।

विशेष लेखः छत्तीसगढ़ का स्मार्ट पंजीयन मॉडल बना सुशासन की नई पहचान

सुनील त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ में सुशासन और नागरिक सुविधाओं को केंद्र में रखकर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इसी दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में पंजीयन विभाग में ऐतिहासिक एवं परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार का उद्देश्य पंजीयन प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी, तकनीक आधारित तथा नागरिकों के लिए पूरी तरह सुविधाजनक बनाना है।

कभी लंबी कतारों, घंटों इंतजार, दस्तावेजों के सत्यापन में देरी और बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने वाली पंजीयन प्रक्रिया अब पूरी तरह बदलती दिखाई दे रही है। पहले जहां एक साधारण रजिस्ट्री पूरी करने में 4 से 6 घंटे अथवा कई बार 1 से 2 दिन तक लग जाते थे, वहीं अब आधुनिक डिजिटल व्यवस्थाओं की मदद से यही प्रक्रिया केवल 15 से 20 मिनट में पूरी हो रही है। इससे नागरिकों के समय, धन और ऊर्जा तीनों की बड़ी बचत हो रही है।

राज्य सरकार ने अगले एक वर्ष के भीतर प्रदेश के सभी 119 पंजीयन कार्यालयों को स्मार्ट एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पहले चरण में नवा रायपुर सीबीडी बिल्डिंग, बेबीलॉन टॉवर रायपुर, श्रीराम बिजनेस पार्क, सड्डू, कलेक्ट्रेट परिसर रायगढ़, दुर्ग, बिलासपुर, कुनकुरी, अभनपुर तथा तिल्दा सहित 10 प्रमुख कार्यालयों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है।इन नए स्मार्ट पंजीयन कार्यालयों में अब नागरिकों को वेटिंग लाउंज, वातानुकूलित सुविधा, स्वच्छ एवं व्यवस्थित परिसर, निःशुल्क वाई-फाई, मोबाइल चार्जिंग स्टेशन, शुद्ध पेयजल, आधुनिक शौचालय, हेल्प डेस्क तथा प्री-प्रेजेंटेशन काउंटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इससे पंजीयन कार्यालय अब किसी आधुनिक सेवा केंद्र की तरह दिखाई देने लगे हैं।

कर्नाटक : डीके शिवकुमार के सीएम होने के मायने

डॉ. सुधीर सक्सेना

28 मई को अंततः कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सियासत की दरोदीवार पर अटकलों और कयासों के सब्ज़े उगने का दौर तब थम गया, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इसके लिये उन्होंने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को अपने सरकारी आवास पर सुबह के नाश्ते पर आमंत्रित किया और बीते तीन साल में उनके सहयोग के लिए आभार जताते हुये कहा कि वह अपरान्ह तीन बजे इस्तीफा देने राजभवन जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सहयोग की बात कही, तो यह स्पष्ट हो गया कि शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे। मई का महिना शिवकुमार के लिए बड़ा मायने रखता है। उनका जन्म आज से चौसंठ साल पहले 15 मई को कनकपुरा में हुआ था और सन 2023 में मई माह में ही उनके अथक प्रयासों से बीजेपी की येदियुरप्पा- सरकार को अपदस्थ कर कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी। यह दीगर है कि जीतोड़ कोशिशों के बाद डीकेएस तब सीएम नहीं बन सके थे और उनसे वरिष्ठ और अनुभवी सिद्धारमैया ने बज़िद बाजी मार ली थी। बहरहाल, 28 मई को डीकेएस को सुबह का ब्रेकफास्ट उनके अपने जन्मदिन और कांग्रेस सरकार की सालगिरह के समारोह के नाश्तों से अधिक सुखद और लज्जतदार लगा होगा, क्योंकि इस रोज उनका पालित सपना या साध पूरी हुई।

डीकेएस यानि डोडालाहल्ली केंपेगौड़ा शिवकुमार कर्नाटक के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार हैं। वह धनाढ्य हैं, लोकप्रिय हैं, जुझारू और दबंग हैं और कुशल रणनीतिकार हैं। वह महत्वाकांक्षी हैं। करीब चार दशकों का उनका सियासी सफर दिलचस्प और घटनाप्रधान रहा है। वह खांटी कांग्रेसी हैं और सोनिया गांधी के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान है। तीन साल पहले कर्नाटक में सत्ता में कांग्रेस की वापसी पर उन्होंने सोनियाजी

से अपना कौल निभाने की बात कही थी। डीकेएस का कॉन्फिडेंस लेबेल गज़ब का है। उन्हें जायंट-किलर यूं ही नहीं माना जाता। पहलेपहल उन्हें इस विशेषण से तब नवाजा गया था, जब सन 1989 में सथानूर से एचडी देवेगौड़ा को हराया था। इसी क्रम में उन्होंने एचडी कुमारस्वामी, पीजीआर सिंधिया और अनिता कुमार स्वामी को भारी मतों के अंतर से परास्त किया। देवेगौड़ा परिवार की त्रयी को हराने की तिकड़ी उनके खाते में दर्ज है। सन 2018 में उनकी जीत का अंतर अस्सी हजार से अधिक मतों का था। सन 2019 की भगवा लहर में भी वह अपने भाई डीके सुरेश को लोकसभा के लिए जिताने में कामयाब रहे। उनकी ब्यूह रचना का लोहा उनके विरोधी भी मानते हैं। वह कुबेर राजनेता हैं और सन 2018 में चुनावी हलफनामे में उन्होंने 840 करोड़ की संपत्ति दर्शाई थी।

डीकेएस का जीवन संघर्षों से बिंधा रहा है। सन 2017 में उनके दफ्तरों, ठिकानों और बिड़दी में ईगलटन गोल्फ रिजार्ट पर आयकर छापा पड़ा। उनके बंगलौर, चेन्नै, दिल्ली और मैसूरू के 67 ठिकानों पर तीन सौ अफसरों ने अस्सी घंटे छानबीन की। मौके पर सीआरपीएफ की तैनाती हुई। करीब दस करोड़ की संपत्ति जब्त हुई। अग्रिम जमानत के बावजूद तीन सितंबर, 2019 को उन्हें गिरफ्तार किया गया और डेढ़ माह से अधिक का समय उन्हें तिहाड़ जेल में बिताना पड़ा। उन पर मनी लांड्रिंग, कर वंचन, अवैध खनन के आरोप लगे, लेकिन वह डिगे नहीं और सोनिया-राहुल के प्रति अडिग वफादारी के सुबूत देते रहे।

दिल्ली में गत दिनों मैराथन बैठकों ने संकेत दिया था कि कर्नाटक की देगची में नेतृत्व परिवर्तन की खिचड़ी पक रही है। सिद्धारमैया ने कहा भी कि वह केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर त्यागपत्र दे रहे हैं। कर्नाटक-प्रभारी सुरजेवाला इसे पॉवर-शेयरिंग नहीं मानते, लेकिन यह तय है कि डीकेएस के सब्र का प्याला छलकने की वेला आ सकती थी। कर्नाटक में 224 के सदन में कांग्रेस के 136, बीजेपी 63 और जेडीएस के 18 विधायक हैं। इसके बावजूद कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष विजयेंद्र के कथन कि कर्नाटक में समय पूर्व चुनाव को कोई रोक नहीं सकता, ने धुकधुकी बढ़ा दी है। सीएम के विधि सलाहकार पोन्नन्ना भी वेट एंड वाच की बात कह रहे हैं, क्योंकि राज्यपाल थावरचंद गहलोत राजधानी के बाहर हैं और मुख्यमंत्री से उनके रिश्ते जगजाहिर हैं।

कोई नहीं जानता कि सिद्धारमैया की भूमिका क्या होगी, मगर कांग्रेस के लिए कर्नाटक बड़ा मायने रखता है और तीन साल बाद ही सही डीकेएस के लबों और प्याली के बीच फासला मिटता दीख रहा है। नेतृत्व परिवर्तन के प्रसंग का पटाक्षेप इस तरह हुआ कि शिवकुमार ने सिद्ध के पांव छुवे और सिद्ध ने उन्हें गले लगाया।

मेष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

वृष- अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा।

कर्क- लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह- दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा।

कन्या- विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतरू ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

तुला- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

धनु- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक

मकर- समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें।

कुंभ- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मीन- जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षा: विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की

घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

अब 'स्मार्ट बॉर्डर' रोकेंगे अवैध घुसपैठ, अमित शाह ने दी पायलट प्रोजेक्ट की जानकारी, बोले- किसी भी हाल में जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होने देंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बॉर्डर पर घुसपैठ को रोकने को लेकर एक बड़ी योजना के बारे में जानकारी साझा की है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी, स्थानीय प्रशासनिक संसाधनों और सुरक्षा बलों को एकीकृत करने वाली एक 'स्मार्ट बॉर्डर' पायलट प्रोजेक्ट को जल्द ही देश की सीमाओं पर सात से आठ स्थानों पर एक साथ शुरू किया जाएगा, जो भारत की सीमाओं के माध्यम से जनसांख्यिकीय परिवर्तन को रोकने के लिए केंद्र के हर संभव प्रयास करने के इरादे का संकेत है। शाह ने लंकामुरा सीमा चौकी पर बीएसएफ जवानों से कहा, त्रिपुरा हो, बंगाल हो या बिहार, हम सीमा पार घुसपैठ के जरिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होने देंगे। यह हमारा दृढ़ विश्वास और संकल्प है।

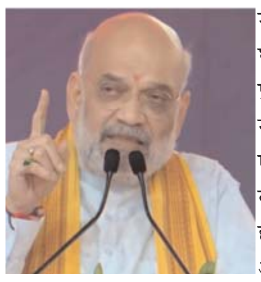

उन्होंने कहा कि बाड़बंदी के पूरक के रूप में स्मार्ट सीमाओं का विचार भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने की चतुर्भुज सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। यह अवधारणा योजना के अंतिम चरण में है। शुरुआती चुनौतियों का समाधान किया जाएगा, जिसके बाद इस पहल को पूरे सीमा नेटवर्क में लागू किया जाएगा। उत्तर, दक्षिण और पश्चिम से बांग्लादेश से घिरे त्रिपुरा में, शाह ने कहा कि सरकार ने लगभग 650 किलोमीटर की बाड़ में से 119 किलोमीटर की बाड़ को बदलने की परियोजना को मंजूरी दे दी है, जो 15 साल से अधिक पुरानी है।

हिमाचल में भूकंप के तीन झटके, कई मकान क्षतिग्रस्त; पालमपुर में अस्पताल की छत गिरी

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में भूकंप के कारण रातभर लोग दहशत में रहे हैं। रात 10.04 बजे हुआ 5 की तीव्रता के भूकंप के बाद दो बार फिर धरती हिली। 11.04 बजे 2.8 और 11.52 बजे 3 तीव्रता का भूकंप आया। तीनों का केंद्र चंबा जिले में ही रहा। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। पहला झटका काफी तेज था, जिस कारण कई जगह नुकसान भी हुआ है। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कई जगह घरों में दरारें आई हैं।

यहां होटलों में ठहरे पर्यटक भी सहम कर कमरों से बाहर आ गए। होटलों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अस्पताल भवन को नुकसान, मरीज सहमे

पालमपुर के सिविल अस्पताल में रात को आए भूकंप से पुराने भवन की दूसरी मंजिल की छत को नुकसान हुआ। इस दौरान गनीमत रही कि मरीज सुरक्षित हैं। किसी भी मरीज को कोई चोट नहीं आई है। इस दौरान मरीजों में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि यह भवन काफी पुराना है और इसे असुरक्षित घोषित किया हुआ है, इसके बावजूद यहां मरीज उपचाराधीन हैं।

गंगोत्री-यमुनोत्री में 10 लाख से अधिक तीर्थयात्री कर चुके दर्शन, पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा के तहत गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है। यात्रा के शुरुआती 47 दिनों में ही दोनों धामों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 10 लाख के पार पहुंच गई है। पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की संख्या में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

बीते 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा के तहत 4 जून तक गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में कुल 10,15,852 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वर्ष 2025 की समान अवधि में यह संख्या 9,44,804 थी। इस तरह इस वर्ष अब तक 71,048 अधिक श्रद्धालु धामों तक पहुंचे हैं। आंकड़ों के अनुसार यमुनोत्री धाम में 4,98,367 और गंगोत्री धाम में 5,17,485 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

यात्रा मार्गों पर लगातार श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है और दोनों धामों में दर्शन का क्रम सुचारु रूप से चल रहा है। यात्रा अवधि में अब तक कुल 99,165 वाहनों का आवागमन दर्ज किया गया है, जिनमें 74,365 छोटे और 24,800 बड़े वाहन शामिल हैं। बढ़ती संख्या के बीच प्रशासन और पुलिस व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ बनाए हुए हैं।

एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री के सुरक्षित यात्रा, सुगम दर्शन एवं सतत संवाद के संकल्प के अनुरूप उत्तरकाशी पुलिस यात्रा को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में जुटी हुई है। यात्रा मार्गों से लेकर धामों तक सुरक्षा, यातायात और आपदा प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा', पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीरें, दोहराया 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे की झलकियां शेयर की हैं। उन्होंने सूरत शहर की प्रशंसा की और कहा कि इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात दौरे के अगले दिन शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कल सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा। इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। वीडियो में पीएम मोदी ने कार्यक्रमों शामिल होने की तस्वीरें और अपने भाषणों के कुछ अंश शेयर किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे कई बार लगता है कि ये सूरत शहर नहीं है, सूरत एक स्पिरिट है। हमारा संकल्प विकसित गुजरात और विकसित भारत इस संकल्प को सिद्ध करना व सेवा के भाव से समर्पित होकर के करना है। उन्होंने कहा कि ये जो वैश्विक संकट चल रहा है, ये दिखाता है कि एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भरता कितनी जरूरी है। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत का क्या मतलब होता है, ये हजीरा जाने पर भी साफ दिखता है। हजीरा आज केवल एक औद्योगिक क्षेत्र नहीं है। यह एक ऐसा इकोसिस्टम बन चुका है जहां, एनर्जी है, स्टील है, डिफेंस प्रोडक्शन है, पोर्ट है, और ग्लोबल ट्रेड का इकोसिस्टम है। हजीरा, देश के एक बड़े मेरीटाइम इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित हो रहा है, आत्मनिर्भर भारत के एक बड़े सेंटर के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विरोधियों पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान का मज़ाक उड़ाते रहते हैं। देश के इस संकल्प को वो लगातार नीचा ही दिखाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, भारत, नकारात्मकता से कहीं आगे निकल चुका है। ये असीमित आशावाद वाला देश है। अद्भुत आकांक्षाओं से लैस देश है। भारत के नागरिक सपनों से भरे हुए हैं, संकल्पों से भरे हुए हैं।

आर्थिक मोर्चे पर भारत की ऊंची छलांगः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जीडीपी ग्रोथ को बताया मजबूत भारत का प्रतीक

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत दर्ज किए जाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की आर्थिक प्रगति की पुरजोर सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह शानदार प्रदर्शन भारत की आंतरिक मजबूती और उस ठोस बुनियादी ढांचे को दर्शाता है, जिसे पिछले 12 वर्षों में रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मूल मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। रक्षा मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के इस प्रदर्शन को बेहद ऐतिहासिक और गौरवशाली बताया है।

वैश्विक मंदी के बीच भारत की मजबूत साख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि आज जब दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं, तब भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी धाक जमाए हुए है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि चालू वित्त वर्ष में देश की विकास दर जहां 7.7 प्रतिशत रही, वहीं चौथी तिमाही में यह रफ्तार और तेज होकर 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने इसे राष्ट्र-निर्माण के प्रति देशवासियों के साझा प्रयासों का परिणाम बताया।

मंच पर मुख्यमंत्री के आने के बाद से पंडाल में गूंजता रहा जय श्री राम व बुलडोजर बाबा का जयघोष

गोंडा(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बलरामपुर में मां पाटेश्वरी का पूजन कर सभास्थल चकरौत पहुंचे। कटरा व करनैलगंज विधानसभा के बॉर्डर पर आयोजित इस जनसभा में दोनों ही विधानसभाओं के लोग पहुंचे। शनिवार सुबह दस बजे मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में सुबह सात बजे से ही लोग पहुंचने लगे। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह दस बजे से पहले ही पंडाल लोगों से खचाखच भरा नजर आया और हर ओर भगवा लहराता दिखा। मुख्यमंत्री योगी के मंच पर पहुंचते ही जनप्रतिनिधियों ने भाषण दिया। जिले के जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को भगवान राम की प्रतिमा और गदा भेंट कर उनका स्वागत किया। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से उन्हें मां शक्ति की प्रतिमा शक्ति और सेवा के प्रतीक के रूप में भेंट की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनता, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। मंच पर स्वागत उद्बोधन में कैसरगंज लोकसभा सांसद करन भूषण सिंह ने अपने भाषण में सीएम को बुलडोजर बाबा कहकर संबोधित किया। उनके इतना कहते ही पंडाल में जय श्री राम व बुलडोजर बाबा की जय के उद्घोष हुआ। वहीं, मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि गोंडा ऊर्जावान जनपद है। यहां के युवा ऊर्जावान, अन्नदाता किसान परिश्रमी और बहनें व बेटियां प्रतिभाशाली हैं। इस पर पंडाल में भाजपा के झंडे लहराते रहे। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते नजर आए। कटरा निवासी आशीष मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री का भाषण सुनने के लिए सुबह सात बजे से ही आ गया था। जिससे आगे पहुंचकर उन्हें देख भी सके और ठीक से सुन भी सके। उनके साथ आए मनीष, शिवम व अन्य लोगों ने भी मुख्यमंत्री के विकास मॉडल को सराहा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार तेज करने पर मंथन, पीएम मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की बैठक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम-इकोनॉमिक एडवायजरी काउंसिल (EAC-PM) के सदस्यों के साथ अहम बैठक की। इस दौरान वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को नई गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझावों और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में आम नागरिकों के जीवन को और सरल बनाने तथा कारोबार के लिए बेहतर माहौल तैयार करने को लेकर सुधारों पर जोर दिया गया। परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया। यह चर्चा ऐसे समय में हुई है जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और धीमी विकास दर जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे आयातित ईंधन पर निर्भरता कम कर भारत की आर्थिक मजबूती में योगदान दें। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल और स्वदेशी विकल्पों को अपनाने पर जोर देते हुए कई व्यवहारिक सुझाव दिए।

प्रधानमंत्री ने लोगों से वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता देने, ईंधन की खपत घटाने, अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने सोने की खरीदारी में संयम बरतने की भी सलाह दी। ईंधन कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए पीएम मोदी ने परिवहन के अधिक टिकाऊ और किफायती विकल्प अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाया जाए। निजी वाहन की आवश्यकता होने पर कारपूलिंग को प्राथमिकता दी जाए, जबकि माल परिवहन के लिए रेलवे को अधिक इस्तेमाल किया जाए।

'मेरा भारत युवा सम्मेलन' में बोलीं सीएम रेखा गुप्ताः देश के लिए जीने और योगदान देने का अवसर हम सबके पास

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता शनिवार को त्यागराज स्टेडियम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित 'विकसित भारत के लिए युवा - मेरा भारत युवा सम्मेलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। देशभर से आए 6,000 से अधिक युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, युवा मामलों की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों, खिलाड़ियों, कलाकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, यूपीएससी अभ्यर्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह मंच वास्तव में भारत की युवा शक्ति का उत्सव है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के इतने प्रतिभाशाली युवा और प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों की उपस्थिति इस आयोजन को वास्तव में 'तारे जमीन पर' जैसा स्वरूप देती है। जब एक ही मंच पर युवा उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार, जनप्रतिनिधि, कंटेंट क्रिएटर्स और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित हों तो यह भारत की विविध प्रतिभा और असीम क्षमता का सशक्त प्रतिबिंब बन जाता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेरा भारत युवा सम्मेलन युवाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत का युवा देश की जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है, जो मेहनती, दूरदर्शी, रचनात्मक और साहसी है। खेल, उद्यमिता, कला, तकनीक, कंटेंट निर्माण, शिक्षा और प्रशासन जैसे हर क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने नए मानदंड स्थापित किए हैं। किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण होता है। यही समर्पण भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अगर देश का प्रत्येक युवा एक कदम आगे बढ़ाता है, तो 140 करोड़ भारतीयों का देश भी उसी गति से आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और इनोवेशन की क्षमता को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित करने का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में देश के लिए मरने का अवसर मिले या न मिले, लेकिन देश के लिए जीने और योगदान देने का अवसर हम सभी के पास है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की युवा शक्ति ही 'विकसित भारत-2047' का सबसे मजबूत आधार बनेगी।

सख्त फैसला : कर्नाटक में कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक ऑफिस पहुंचना अनिवार्य, कर्तव्य ऐप से हाजिरी

बेंगलुरु, (आरएनएस)। कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की समय की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे तक अपने कार्यालय पहुंचना और मोबाइल ऐप के माध्यम से हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नए नियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चीफ सेक्रेटरी डॉ. शालिनी रजनीश की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यह निर्देश मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा 4 जून को हुई उच्चस्तरीय बैठक में दिए गए सख्त निर्देशों के आधार पर जारी किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी कार्यालयों में अनियमितता और देर से आने की समस्या पर गहरी चिंता जताई थी। आदेश के अनुसार, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी से लेकर जिला स्तर के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को रोजाना कर्तव्य ऐप पर चेक-इन और चेक-आउट दर्ज करना होगा। ऐप के जरिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। ई-गवर्नेंस विभाग ने एक उन्नत एआई-आधारित सिस्टम विकसित

किया है, जो स्वतः उन कर्मचारियों की जिले-वार और कार्यालय-वार रिपोर्ट तैयार करेगा जिन्होंने सुबह 10 बजे तक हाजिरी नहीं लगाई। यह रिपोर्ट संबंधित विभाग के प्रमुखों को ऑटोमैटिक रूप से भेज दी जाएगी।

जो अधिकारी आधिकारिक दौरे या फील्ड ड्यूटी पर जाते हैं, उन्हें ऐप में आउट ऑफ ऑफिस ड्यूटी (ओओडी) विकल्प चुनना होगा। उनकी हाजिरी की पुष्टि संबंधित सुपरवाइजरी अधिकारी करेंगे। विभाग प्रमुखों को कर्तव्य डैशबोर्ड के माध्यम से रोजाना हाजिरी रिपोर्ट की समीक्षा करनी होगी और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह कदम राज्य सरकार के कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री शिवकुमार सरकारी मशीनरी को अधिक सक्रिय और उत्तरदायी बनाने पर जोर दे रहे हैं। कर्तव्य ऐप पहले से ही कुछ विभागों में उपयोग में था, लेकिन अब इसे पूरे राज्य स्तर पर अनिवार्य कर दिया गया है।

के अन्नामलाई BJP से अलग होते ही बनाई 'इधु नम्मा इयक्कम', 10 घंटे में 10 लाख लोग उनकी पार्टी से जुड़े

तमिलनाडु (आरएनएस)। विधानसभा चुनावों में बीजेपी की करारी हार के बाद तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को बीजेपी से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है. के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआती दौर में ही जबरदस्त समर्थन मिला है. के. अन्नामलाई के अनुसार 10 घंटे में 10 लाख से अधिक लोग इस आंदोलन से जुड़ गए हैं. अन्नामलाई ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से 2 जून को ही इस्तीफा दे दिया था जिसकी चिट्ठी सबके सामने आई है. के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को बीजेपी से औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया.भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी अन्नामलाई के समर्थन में पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने पत्रकारों से कहा कि मेरे साथ साथ कई भाजपा नेताओं ने के. अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' से जुड़ने का फैसला लिया है.अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को ही नई पार्टी बनाने की घोषणा कर दी थी. BJP की तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से ही अन्नामलाई की नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की अटकलें तेज हो गई थीं. पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है. के. अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं. 2031 का विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी लड़ेगी. एक्स पर एक पोस्ट में अन्नामलाई ने कहा, हमारे राजनीतिक आंदोलन ने एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें मात्र 10 घंटे में 10 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कराया है।

भारत के प्रति यूरोप का दोहरा रवैयाः आतंकवाद पर पाकिस्तान का दिया साथ, अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में खुली पोल

इस्लामाबाद (ए.)। यूरोप एक तरफ भारत को अपना खास दोस्त बताता है। दूसरी तरफ वह पाकिस्तान की पीठ थपथपाने से बाज नहीं आ रहा है। यूरोप के इसी दोहरे खेल का अब पर्दाफाश हुआ है। इटली के बड़े भू-राजनीतिक विशेषज्ञ सर्जियो रेस्टेली ने इस पर बड़ा खुलासा किया है। 'टाइम्स ऑफ इस्राइल' में लिखे अपने लेख में उन्होंने यूरोप की कूटनीति पर तीखे सवाल उठाए हैं। रेस्टेली के मुताबिक, यूरोप भारत के साथ सुरक्षा के बड़े-बड़े वादे करता है, लेकिन जब बात पाकिस्तान की आती है, तो वह तुरंत सुर बदल लेता है। वह पाकिस्तान को बचाने के लिए शांति और संयम की खोखली भाषा बोलने लगता है।

कश्मीर की तुलना यूक्रेन से करने पर मचा बवाल

हाल ही में इस्लामाबाद में पाकिस्तान और यूरोपीय संघ (ईयू) की एक बड़ी बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद दोनों ने एक साझा बयान जारी किया। इस बयान में यूरोपीय संघ ने भारत के जम्मू-कश्मीर की तुलना सीधे यूक्रेन से कर दी। इस हरकत से यूरोप का असली चेहरा सामने आ गया है। रेस्टेली ने कहा कि ऐसा करके यूरोप ने पाकिस्तान के सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह छिपा दिया। सिर्फ दिखावे के लिए यूरोप ने आतंकवाद के खिलाफ अपने ही सिद्धांतों की धज्जियां उड़ा दीं। इससे भारत में एक गलत संदेश गया है। साफ लगता है कि यूरोप को भारत का बड़ा बाजार तो चाहिए, लेकिन वह भारत की सुरक्षा की चिंता बिल्कुल नहीं करता।

यूरोपीय नेता के दौरे से बढ़ा कूटनीतिक भ्रम

यूरोपीय संघ की बड़ी नेत्री काजा कलास ने हाल ही में पाकिस्तान का दौरा किया। इस दौरे को लेकर विशेषज्ञ रेस्टेली ने इसे यूरोप का रणनीतिक भ्रम कहा है। कलास ने इस साल की शुरुआत में भारत के साथ रक्षा संबंध मजबूत करने का दावा किया था। लेकिन पाकिस्तान जाते ही उनका रुख बदल गया। असल में यूरोप अमेरिका से होने वाले अपने नुकसान की भरपाई करना चाहता है। इसके लिए वह भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करना चाहता है। लेकिन जैसे ही उपमहाद्वीप में तनाव बढ़ता है, वह फिर से पुराने पाकिस्तान राग पर लौट आता है। यूरोप सिर्फ ईरान के मामले में अपनी जगह बनाने के लिए आसिफ मुनीर जैसे तानाशाहों के आगे झुक रहा है।

पाकिस्तान को बिना किसी कीमत के मिल गई माफी

सर्जियो रेस्टेली ने साफ शब्दों में कहा कि किसी नेता के पाकिस्तान जाने से कोई दिक्कत नहीं है। असल दिक्कत यह है कि इस दौरे में पाकिस्तान से आतंकवाद पर कोई जवाब नहीं मांगा गया। यूरोप के इस ढीले रवैये से पाकिस्तान को बिना कोई कीमत चुकाए अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। यूरोप को चाहिए था कि वह सबसे पहले आतंकवाद की कड़ी निंदा करता। उसे पाकिस्तान से उसके आतंकी नेटवर्क को खत्म करने को कहना चाहिए था। यूरोप को भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करना चाहिए था। अगर यूरोप ऐसा नहीं करता है, तो संयम बरतने का सारा नुकसान सिर्फ पीड़ित देश यानी भारत को ही भुगतना पड़ेगा।

मॉरीशस में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान से आने वाले विदेशी नागरिकों पर बैन

इबोला वायरस से संक्रमित तो 21 दिन तक किया जाएगा क्वारंटीन

पोर्ट लुई,(ए.)। इबोला वायरस प्रकोप को देखते हुए मॉरीशस सरकार ने उन विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिन्होंने पिछले 21 दिनों में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, वहां से होकर गुजरे हैं या वहां ठहरे हैं। हालांकि, मॉरीशस के नागरिकों और वैध वर्क परमिट, रेजिडेंस परमिट, बिजनेस परमिट या स्टूडेंट परमिट रखने वाले विदेशियों को देश में प्रवेश की अनुमति रहेगी, लेकिन यदि उन्होंने पिछले 21 दिनों में इन तीन देशों का दौरा किया है, तो उन्हें 21 दिन तक क्वारंटीन में रहना होगा।

मीडिया रिपोर्ट में अफ्रीकन यूनियन के मुताबिक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में फैला इबोला संक्रमण क्षेत्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। मॉरीशस सरकार ने यह भी कहा है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश की जगह पर विशेष स्वास्थ्य जांच और जोखिम मूल्यांकन किया जाएगा। यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसे आइसोलेट कर चिकित्सकीय जांच की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने जुलाई में मॉरीशस में आयोजित होने वाले 18वें यूएस-अफ्रीका बिजनेस समिट को भी फिलहाल स्थगित करने का अनुरोध किया है। 15 मई को कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डब्ल्यूएचओ ने पूरे अफ्रीका के लिए इबोला तैयारी और प्रतिक्रिया योजना शुरू की। इस योजना के तहत जून से नवंबर तक के लिए 51.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने का लक्ष्य है, ताकि अफ्रीकी देशों को संक्रमण की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया में मदद मिल सके।

लंदन में CJI सूर्यकांत के कार्यक्रम में हंगामाः असहमति के सवाल पर तीखी बहस, भारतीय दूतावास ने जताई कड़ी आपत्ति

लंदन(ए.)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के एक कार्यक्रम में दर्शकों के व्यवहार को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। दरअसल, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के बर्कबेक कॉलेज में आयोजित एक लेक्चर के दौरान भारत में 'असहमति' को लेकर सवाल उठा रही एक महिला दर्शक को बीच में ही टोक दिया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एआई के लेक्चर में उठा असहमति का मुद्दा

यह पूरा विवाद चार जून 2026 को हुआ, जब सीजेआई सूर्यकांत 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेशनल लॉ' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। भाषण के बाद जब सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू हुआ, तो दर्शकों में मौजूद एक महिला ने भारत में लोकतंत्र और असहमति के प्रति बढ़ती कथित शत्रुता को लेकर सवाल उठाना शुरू कर दिया।

महिला ने सीजेआई के पुराने बयानों का हवाला देते हुए जैसे ही अपनी बात आगे बढ़ानी चाही, मंच संचालक ने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

क्या इस्राइल कर रहा अमेरिकी अधिकारियों की जासूसी? रिपोर्ट में बड़ा दावा, पेंटागन ने जताई चिंता

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर मतभेद बढ़ने के संकेत साफ दिख रहे हैं। इस बीच पेंटागन ने इस्राइली खुफिया गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। पेंटागन ने चेतावनी दी है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी इस्राइल की जासूसी गतिविधियों के निशाने पर हो सकते हैं।

एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, दो वर्तमान अमेरिकी अधिकारियों और एक पूर्व अधिकारी ने खुलासा किया है कि पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने हाल ही में इस्राइल के प्रति-खुफिया खतरे (काउंटर-इंटेलिजेंस थ्रेट) की श्रेणी को बढ़ाकर 'गंभीर' (critical) कर दिया है, जो इसके आंतरिक मूल्यांकन का उच्चतम स्तर है।

जासूसी की आशंका के चलते बरतीं क्या सावधानियां?

एक वर्तमान अधिकारी ने अमेरिकी प्रसारक से कहा,

"इस्राइल की यात्रा के दौरान अमेरिका पहले से ही अतिरिक्त सावधानी बरतता है।" उन्होंने बताया कि इस्राइली खुफिया एजेंसियों को लंबे समय से सूचना एकत्र करने में विशेष रूप से आक्रामक माना जाता रहा है।

खासकर उच्च-स्तरीय यात्राओं के दौरान ऐसी सावधानियों में कथित तौर पर बर्नर फोन, अस्थायी कंप्यूटर और सख्त संचार प्रोटोकॉल का इस्तेमाल शामिल है। पूर्व राजनयिकों, खुफिया अधिकारियों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी अक्सर इस्राइल में संवेदनशील मामलों पर होटल के कमरों और अन्य संभावित संवेदनशील जगहों पर गोपनीय चर्चा करने से बचते हैं।

इस कदम ने अमेरिकी रक्षा प्रतिष्ठान के कुछ वर्गों के बीच बढ़ती चिंता को दर्शाया है कि इस्राइल पश्चिम एशिया में संघर्षों पर ट्रंप प्रशासन की आंतरिक चर्चाओं के बारे में आक्रामक रूप से जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है।

आंतरिक आकलन रिपोर्ट में जताई गई चिंता

रिपोर्ट के अनुसार, यह आकलन ऐसे समय में तैयार किया गया जब ईरान के खिलाफ युद्ध की दिशा को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं।

फीचर

प्राइवेट चैट में रामचरण पर क्या बोलीं जान्हवी? दावा- 'पेद्दी' के मेकर्स से थीं परेशान; वल्गर शॉट का भी जिक्र!

सोशल मीडिया पर जान्हवी कपूर की चैट के कुछ स्क्रीनशॉट वायरल है। दावा किया जा रहा है कि इस चैट में जान्हवी ने फिल्म 'पेद्दी' की शूटिंग के दौरान ही अपने वल्गर सीन्स को लेकर चिंता जाहिर की थी। ये चैट जान्हवी के कुछ फैन क्लब ने शेयर किए हैं। इनमें एक्ट्रेस किसी से बात करते हुए कह रही हैं कि उन्होंने शूटिंग के दौरान कई बार कुछ सीन को लेकर आपत्ति जताई थी।

जाह्नवी ने कैमरा एंगल्स पर जताई थी आपत्ति

ये वायरल स्क्रीनशॉट 30 अक्टूबर के बताए जा रहे हैं। इसमें जाह्नवी कपूर वल्गर सीन्स पर बात करती नजर आ रही हैं। इसमें लिखा है कि उन्होंने खास तौर पर कुछ कैमरा एंगल्स इस्तेमाल न करने के लिए कहा था। उन्होंने लिखा, 'मैंने कहा था कि ऐसे वल्गर शॉट्स मत लेना।'

उन्होंने यह भी बताया कि उनके मना करने पर राम चरण ने भी उनका साथ दिया था। उन्होंने लिखा- 'राम सर बहुत अच्छे हैं, उन्होंने भी डायरेक्टर को कहा कि ऐसे एंगल्स मत लो। इसके बाद वो भी काफी भड़क गए थे।'

साउथ इंडस्ट्री में ऐसा ही होता है

एक और चैट में जाह्नवी ने इंडस्ट्री से जुड़ी बड़ी बात कही। उन्होंने लिखा, 'साउथ इंडस्ट्री में ऐसा ही होता है।' फैन क्लब ने गेम चेंजर में कियारा आडवाणी को मिली ट्रोलिंग का भी जिक्र किया। इस पर जाह्नवी ने कहा, 'इसमें तो उससे भी ज्यादा था, लेकिन राम सर ने साफ मना कर दिया।'

जब एक फैन ने पूछा कि एक ही हीरो के साथ काम करने वाली एक्ट्रेसेस के साथ ऐसा बार-बार क्यों होता है, तो जाह्नवी ने फिर वही बात दोहराई कि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा होता रहता है।

आपको नहीं पता मैं क्या झेल रही हूं

सबसे चौंकाने वाली बात इन चैट्स में 'कंसेंट' यानी सहमति को लेकर सामने आई। एक जगह जाह्नवी ने अपनी परेशानी जाहिर करते हुए लिखा, 'आपको नहीं पता मैं क्या झेल रही हूं, उन्हें समझाने की कोशिश कर रही हूं।'

हिबा नवाब बनीं जादूगरनी, बिविच्ड से प्रेरित इस शो में आएंगी नजर

अभिनेत्री हिबा नवाब टीवी पर लौट आई हैं। वह एक नए पारिवारिक सिटकॉम में मुख्य किरदार निभा रही हैं, जिसे क्लासिक अमेरिकी शो बिविच्ड से प्रेरणा लेकर बनाया गया है।

इसमें हिबा, ऊर्वशी नाम की एक प्यारी जादूगरनी बनी हैं। ऊर्वशी अपने पति आरव पटेल के लिए अपनी जादुई दुनिया तो छोड़ देती है, लेकिन जब रोजमर्रा के काम उलझने लगते हैं, तो वह जादू का इस्तेमाल करने से खुद को रोक नहीं पाती है।

इस शो में आपको खूब हंसी-मजाक देखने को मिलेगा और साथ ही राखी विजयन व अधिक मेहता जैसे जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे।

हिबा का झनक के बाद यह पहला शो है। इस धारावाहिक में उन्हें जादू से भरी कॉमेडी करने का मौका मिल रहा है, जो भारतीय टीवी पर बहुत कम ही देखने को मिलती है।

इस साल की शुरुआत में वह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर का हिस्सा बनने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। हिबा जिजीवी छत पर है और वो तो है अल्बेला जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं। हिबा बताती हैं कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया है और करियर के हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जमीन से जोड़े रखा व केंद्रित रहने में सहयोग किया।

छोटे दुकानदारों के साथ अनावश्यक मोलभाव करने से बचे : सोनू सूद

मुंबई (ए.)। समाज सेवा के लिए हरदम तैयार रहने वाले अभिनेता सोनू सूद महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित प्रसिद्ध सिद्धेश्वर मंदिर के बाहर छोटे व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों का समर्थन करते हुए लोगों से उनसे खरीदारी करने की अपील की है। अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर अपने सामाजिक सरोकारों को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। सोनू सूद ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सिद्धेश्वर मंदिर के बाहर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता श्रद्धालुओं और पर्यटकों से आग्रह करते दिखाई देते हैं कि जब भी वे मंदिर दर्शन के लिए आएं, तो यहां दुकान लगाने वाले छोटे व्यापारियों से सामान अवश्य खरीदें।

दर्शकों की हर राय हमारे लिए महत्वपूर्ण : जान्हवी कपूर

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने कहा कि एक कलाकार के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे महत्वपूर्ण होती है और उनके विचारों का सम्मान करना हर अभिनेता की जिम्मेदारी है। अभिनेत्री

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म पेद्दी की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रचार में व्यस्त जान्हवी को विश्वास है कि दर्शक उनकी इस नई पेशकश को भी वही प्यार और समर्थन देंगे, जो उन्हें अब तक मिलता रहा है। साल 2018 में धड़क से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली जान्हवी कपूर ने एक बातचीत में फिल्मों और दर्शकों के प्रति अपने नजरिए को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए फिल्म निर्माण केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि एक तरह की सेवा है। उनका मानना है कि कलाकार और फिल्म निर्माता दर्शकों का मनोरंजन करने तथा उन्हें बेहतर अनुभव देने के उद्देश्य से काम करते हैं।

यदि किसी फिल्म को ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादों के साथ बनाया जाता है तो वह निश्चित रूप से उन लोगों तक पहुंचती है, जिनके लिए उसे बनाया गया है। जान्हवी ने सोशल मीडिया के दौर में फिल्मों को लेकर बनने वाली धारणाओं और जल्दबाजी में की जाने वाली आलोचनाओं पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कई बार लोग किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले ही उसके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करना शुरू कर देते हैं। हालांकि, इसके बावजूद वह दर्शकों की राय को नजरअंदाज करने में विश्वास नहीं रखतीं। उनके अनुसार, दर्शकों की प्रतिक्रिया किसी भी कलाकार के लिए सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर होती है।

फिल्म देखे बगैर आपत्ति जताना समझ से परे है : अमित जानी

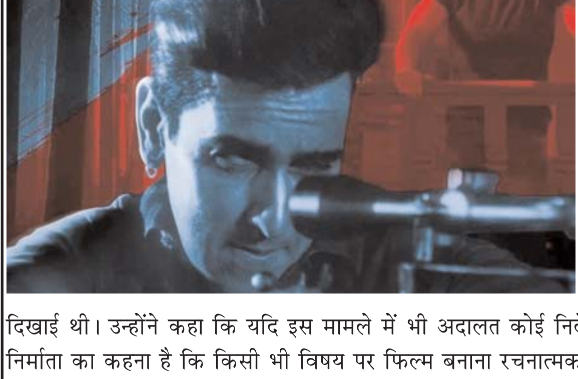

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म 'काला हिरण- द बैटल फॉर लेगेसी' आजकल सुर्खियों में है। इस मामले में उपजे ताजा विवाद को लेकर फिल्म निर्माता अमित जानी ने अभिनेता सलमान खान की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमित जानी ने कहा कि यदि यह मामला अदालत तक पहुंचता है तो वह कानूनी रूप से अपना पक्ष रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

फिल्म निर्माता जानी का कहना है कि उनकी फिल्म न तो सलमान खान पर आधारित है और न ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर, बल्कि यह बिश्नोई समाज के उन लोगों के संघर्ष की कहानी है जिन्होंने अपने अधिकारों और न्याय के लिए वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़ी। बातचीत में अमित जानी ने कहा कि फिल्म का अभी तक न तो टीजर जारी किया गया है और न ही ट्रेलर रिलीज हुआ है। ऐसे में बिना फिल्म देखे उसके विषय-वस्तु पर आपत्ति जताना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि यदि सलमान खान सीधे उनसे संपर्क कर फिल्म की कहानी के बारे में जानकारी लेते तो वह विस्तार से फिल्म का विषय समझा देते। उनके अनुसार, बिना पूरी जानकारी के किसी फिल्म का विरोध करना उचित नहीं माना जा सकता। निर्माता ने यह भी कहा कि फिल्म में किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की गई है। उनका कहना है कि यदि किसी पोस्टर में एक व्यक्ति बंदूक के साथ दिखाई देता है और कहीं भी सलमान खान का नाम नहीं लिखा गया है, तो यह मान लेना कि फिल्म उन्हीं के बारे में है, सही नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फिल्म का उद्देश्य किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि एक सामाजिक और कानूनी संघर्ष की कहानी को सामने लाना है। अमित जानी ने अपनी पिछली फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' का उदाहरण देते हुए कहा कि उस फिल्म को लेकर भी कानूनी विवाद हुआ था। अदालत के निर्देश पर उन्होंने याचिकाकर्ताओं को फिल्म रिलीज से पहले दिखाई थी। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में भी अदालत कोई निर्देश देती है तो उसका पूरी तरह पालन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सलमान खान स्वयं फिल्म देखना चाहते तो वह इसके लिए भी तैयार थे। निर्माता का कहना है कि किसी भी विषय पर फिल्म बनाना रचनात्मक स्वतंत्रता का हिस्सा है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल जारीः अब 11 जून को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे 32 हजार कर्मचारी

हड़ताल के चलते जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल

सीहोर (निप्र)। मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत लगभग 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, मप्र' ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का तत्काल निराकरण नहीं हुआ, तो आगामी 11 जून को प्रदेशभर के सभी 32 हजार कर्मचारी भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। शहर के बस स्टैंड के समीपस्थ टाउन हाल स्थित धरना स्थल पर भीषण गर्मी में अपनी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। इनकी मांगों को समर्थन देने के लिए संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा सहित अन्य पहुंचे। श्री दीक्षित ने कहाकि पिछले कई वर्षों से सैकड़ों की संख्या में ऐसे कर्मचारी है जो स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा के साथ सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर उनके हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि एक वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उनकी मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों की मांग को जायज बताते हुये अपना समर्थन दिया और सरकार से जल्द से जल्द संविदा कर्मियों की मांगे पूरी करने की मांग की।

कर्मचारियों ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक माह पूर्व से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया था। शुरुआत में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया और मंत्रियों व अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए। मांगें पूरी न होने पर 2 जून से सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यों का पूर्ण बहिष्कार कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण और मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कर्मचारियों की प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि गलत वेतन निर्धारण को सुधार कर वेतन विसंगति दूर की जाए। वे नियमित कर्मचारियों की भांति समान कार्य के लिए समान वेतन, एनपीएस, महंगाई भत्ता और स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की भव्य प्रतिमा स्थापित कराने पर अहिरवार समाज संघ ने नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर का जताया आभार

सीहोर (निप्र)। कलेक्ट्रेट रोड स्थित टाउन हॉल के पास डॉ. बाबा साहब अंबेडकर उपवन में भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की भव्य प्रतिमा स्थापित कर उसका विधिवत अनावरण करने पर अहिरवार समाज संघ ने सीहोर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर आभार व्यक्त किया है। अहिरवार समाज संघ ने प्रदेश सचिव विनोद बड़ोदिया ने इसे ऐतिहासिक और सराहनीय कार्य बताया है। कहा किसंविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर में दलित समाज की आस्था है। आज उनके बनाए संविधान से पूरा देश चल है, संविधान ही आम आदमी की ताकत है और संविधान दलित, पिछडो को अधिकार देता है। शहर के मुख्य मार्ग पर बाबा साहब की इस सुंदर प्रतिमा की स्थापना से न केवल नगर का गौरव बढ़ा है, बल्कि नई पीढ़ी को बाबा साहब के विचारों, सामाजिक समरसता और समानता के सिद्धांतों की प्रेरणा भी मिलती रहेगी।

अहिरवार समाज की और से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज नगर के मुख्य मार्ग पर मूर्ति स्थापना से दलित समाज में काफ़ी हर्ष का माहौल है।

बाबा साहब डॉ अम्बेडकर की मूर्ति के सामने घिनौना कृत करने वाले पर हो कठोर कार्रवाई- हेमंत भारती

सीहोर (निप्र)। अनुसूचित जाति जनजाति युवा छात्र संघ के जिला उपाध्यक्ष हेमंत भारती ने बस स्टैंड स्थित डॉ अम्बेडकर उपवन में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने घिनोना कृत करने वाले के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है।

उन्होंने बयान जारी कर कहा कि बीते तीन दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के सामने पेशाब कर रहा है। जो बहुत ही निंदनीय और घृणात्मक कृत है। युवक की इस गलत हरकत से दलित समाज की भावनायें हुई हैं और समाज के लोगों में रोष व्याप्त है। अनुसूचित जाति जनजाति युवा छात्र संघ इस घटना की घोर निंदा करता है और पुलिस से मांग करता है कि उक्त घटनाक्रम को अंजाम देने वाले आरोपी युवक को जल्द से जल्द हिरासत में लेकर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करे। बताया कि संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ अम्बेडकर दलित समाज के मसीहा हैं उनके दिए संविधान की ताकत और अधिकारों के कारण ही समाज आगे बढ़ रहा है। इस प्रकार का अपमान समाज बिल्कुल भी बर्दाश्त नही करेगा। इस कृत्य से लोगों की मनुवादी और जातिवाद सोच उजागर होती है। समाज में जातिवाद का जहर फैलाने वालों पर कठोर कार्यवाही होना चाहिए। जल्द से जल्द आरोपी को पकडने की मांग की है।

छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में प्राध्यापक पर निलम्बन की कार्यवाही की एबीवीपी ने की मांग

सीहोर (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जो देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन है तथा सदैव छात्र हितों और छात्राओं की सुरक्षा के लिए कार्य करता है, एबीवीपी अध्यक्ष नीलू राठौर के नेतृत्व में शासकीय चन्द्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य को एक ज्ञापन सौंपा। नीलू राठौर ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया कि पीजी कॉलेज में पदस्थ प्राध्यापक कैलाश टक्कर के विरुद्ध छात्रा से छेड़छाड़ किए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह मामला छात्राओं की सुरक्षा एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से जुड़ा हुआ है, इस घटना को लेकर छात्र-छात्राओं में आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त है।

एबीवीपी द्वारा मांग की गई है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक जांच कराई जावे एवं प्राध्यापक के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्रवाई एवं निलंबन की कार्यवाही सुनिश्चित की जावे। हम इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग करते है। परिषद का मानना है कि केवल ट्रांसफर करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि आरोपों की निष्पक्ष जांच करते हुए कैलाश ठक्कर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाना चाहिए, ताकि जांच प्रभावित न हो तथा छात्राओं में सुरक्षा की भावना बनी रहे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से खुशहाल मोटवानी, चंचल राजपूत, पलक यादव, रिशिका पटेल, हिमांशु, नागेश, सौरभ, आयुष आदि उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवसः यूथ साइक्लिंग इवेंट का हुआ आयोजन, युवाओं ने ली स्वच्छता की शपथ

सीहोर (ए.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था माय भारत सीहोर द्वारा हिताय यूथ क्लब के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उपनिदेशक निक्की राठौर के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम जनमानस में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस परिसर में पौधारोपण के साथ किया गया। इस दौरान उपस्थित युवाओं और अतिथियों ने पौधे लगाकर उनके आजीवन संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व शर्मा ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। अपने सारगर्भित उद्बोधन में उन्होंने जल, भूमि और वृक्षों के संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग बताते हुए कहा कि मानव जाति के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के इस महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए युवाओं ने परिसर में मनमोहक और आकर्षक रंगोली सजाई। इसके साथ ही, विद्यार्थियों के बीच एक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के साथ अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया और रंगों के माध्यम से पर्यावरण बचाने की अपील की। पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए माही शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, करिश्मा ने द्वितीय और नंदिनी वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया।

विश्वकर्मा समाज की महत्वपूर्ण बैठक आज

सर्वसहमति से नवीन अध्यक्ष का होगा गठन

सीहोर (निप्र)। विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रामगोपाल गड़ोदिया ने विश्वकर्मा समाज के समस्त सामाजिक बन्धुओं से अपील की है कि आज दिनांक 7 जून 2026, दिन रविवार को दोपहर 12 से 2 बजे के मध्य स्थानीय देवनगर कॉलोनी विश्वकर्मा समाज मंदिर सीहोर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। जिसमें स्वजातीय बन्धुओं की सहमति से नवीन अध्यक्ष का मनोनयन किया जावेगा। साथ ही हमारे इश्ट भगवान विश्वकर्मा के सोना-चाँदी के आभुषण वार्षिक लेखा-जोखा, मंदिर परिसर भूमि की रजिस्ट्री आदि का ब्योरा समाजजनों की बीच रखा जावेगा। जिनको समाज ने जिम्मेदार सौंपी है और उक्त बैठक में (जो भी व्यक्ति अपना अधिकार जताना चाहते हैं वह, वह मंदिर के प्रांगण में मय कागजाद व अपनी पेनल के साथ निश्चित समय पर उपस्थित होवें)।

सीहोर में रोजगार मेला 09 जून को

सीहोर (निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 09 जून को प्रातः 11 बजे सीहोर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगारोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

शहर के चर्च मैदान पर जारी जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-0 से हराया

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के चर्च मैदान पर स्वर्गीय कैलाश सारंग के स्मृति में दूसरे वर्ष भी जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चौथे दिन जिला खेल अधिकारी अत्ताउल्लाह खान एवं मनोज दीक्षित मामा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने दोनों सीनियर खिलाड़ियों का सम्मान किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि इस प्रतियोगिता में शनिवार की शाम को दो मैच खेले गए जूनियर वर्ग में सीहोर बाइज विरुद्ध सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया जिसमें सीहोर बाइज 2-0 से विजय रहा सीहोर बॉयज की तरफ से आदित्य ने एक गोल किया कृष्ण कुमार ने एक गोल कियासीनियर वर्ग में डीएसवाईडब्लू विरुद्ध आरएसआई के मध्य खेला गया जिसमें डीएसवाईडब्लू 1-0 से विजय रही डीएसवाईडब्लू की तरफ से प्रतीक ने एक गोल किया।

ग्राम पंचायतों में पौधारोपण कार्यक्रम एवं ग्राम सभाएं आयोजित

सीहोर (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सीहोर जनपद पंचायत द्वारा ग्राम मोगराफूल, श्यामपुर सहित अनेक ग्राम पंचायतों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम एवं ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत भवन, विद्यालय, आंगनवाड़ी केन्द्र, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

13 जून को शिवभक्ति का महासागर उमड़ेगा, भक्ति की ऐसी शाम, जब हर घर बनेगा शिवालय

अधिकमास पर किया जाएगा रात्रि सात बजे घर बैठे करें पार्थिव शिवलिंग अभिषेक

सीहोर (ए.)। पुरुषोत्तम मास की पावन शिवरात्रि इस वर्ष एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक पर्व का साक्षी बनने जा रही है। 13 जून की संध्या केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं होगी, बल्कि करोड़ों हृदयों को शिवभक्ति के सूत्र में पिरोने वाला एक दिव्य क्षण बनेगी। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के सान्निध्य में कुबेरेश्वर धाम से आयोजित ऑनलाइन शिव महारुद्राभिषेक महोत्सव के माध्यम से देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु एक साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना करेंगे। जब एक ही समय पर लाखों हाथ अभिषेक करेंगे और लाखों कंठों से भगवान शिव के मंत्रों का उच्चारण होगा, तब वातावरण शिवमय हो उठेगा। अंतर्राष्ट्रीय वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा उत्तरप्रदेश के बलिया में आयोजित की जाएगी। कथा के समापन के पश्चात रात्रि को देश और विदेश में एक साथ ऐतिहासिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वहीं जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। शनिवार को छह क्विंटल से अधिक मिठाई का वितरण किया गया। विठ्लेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया।

पंडित मिश्रा का कहना है कि इस महाआयोजन का मूल संदेश है घर-घर शिवलिंग, हर घर शिवलिंग। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का विराट अभियान बन चुका है। श्रद्धालु अपने घरों में शिवलिंग स्थापित कर विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक करेंगे। इस अनूठे प्रयास ने लाखों परिवारों को एक साथ जोड़ दिया है, जहां घर मंदिर बनेंगे और परिवार भक्ति का केंद्र बनेगा। आयोजन का सीधा प्रसारण आस्था चैनल, यूट्यूब और फेसबुक पर किया जाएगा। तकनीक और अध्यात्म के इस अद्भुत संगम से दूर-दराज के गांवों, शहरों और विदेशों में रहने वाले भक्त भी अपने घरों में बैठकर इस पुण्य अवसर का हिस्सा बन सकेंगे। यह आयोजन भौगोलिक सीमाओं को तोड़ते हुए विश्वभर में शिवभक्ति की नई चेतना का संचार करेगा।

श्रद्धालुओं से पहले से शिवलिंग स्थापित करने और पूजन सामग्री तैयार रखने का आग्रह किया गया है। महारुद्राभिषेक के लिए शमीपत्र, बेलपत्र, 11 साबुत चावल के दाने, कनेर का पुष्प तथा गुड़ या शक्कर मिश्रित कच्चा दूध रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, चंदन, इत्र, सुपारी, रोली, चावल, मोली, कपूर, दीपक, धूप, फल, मिठाई और पुष्प आदि सामग्री भी अभिषेक में उपयोग की जाएगी।

सीवन पुत्र-पुत्री की टीम 5000 के लक्ष्य की ओर रविवार को दिलवाएगी वार्डों में सीवन संकल्प

सीहोर (निप्र)। सीवन अभियान का 73 वाँ दिवस सीवन संकल्प के रूप में मनाया जाएगा जिसके तहत विभिन्न वार्डों में सीवन संकल्प दिलवाया जाएगा जिसके संकल्प के अंतर्गत सीवन पुत्र-पुत्री सीवन की स्वच्छता का प्रण लेंगे की ना कभी कचरा नदी में डालेंगे और ना ही किसी को डालने देंगे। जन्म देने वाली माँ के समान ही जीवन दायिनी सीवन का ध्यान रखेंगे।सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि संकल्प के तहत विभिन्न वार्डों में वा सार्वजनिक स्थानों पर जाकर सीवन संकल्प दिलवाया जाता है और उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक 4218 सीवन पुत्र तथा सीवन पुत्री बन चुके हैं 5000 के लक्ष्य के करीब आ चुके हैं 5000 पूरा करने के बाद अगला लक्ष्य 10000 का लिया जाएगा सीवन पुत्र पुत्री बनने के बाद सीवन की दशा बदली है लोग नदी के प्रति संवेदनशील बने हैं व नदी की स्वच्छता का ध्यान रख रहे हैं। सीवन संकल्प लेने हेतु सीवन पुत्र मुकेश राय, जगदीश वर्मा, कैलाश चौहान, प्रकाश यादव, राजकुमार सोनी, वैभव राठौर, कनीराम मालवीय, सुरेश भगत, अशोक नामदेव, मांगीलाल प्रजापति, सतीश सी, दीपक राठौड़, योगेंद्र राय, लक्ष्मण सिंह चौकसे, प्रदीप चावड़ा, अथर्व चावड़ा,रवि माहेश्वरी, देवेश सिसोदिया ,लोकेश सोनी ,राजू खत्री ,अशोक खत्री आदि ने विशेष आग्रह किया है।

पार्षद नरेंद्र राजपूत ने पर्यावरण संरक्षण के लिए लिया प्रतिदिन एक पेड़ लगाने का संकल्प

सीहोर (निप्र)। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित होकर समाज सेवी नरेंद्र राजपूत ने पर्यावरण की रक्षा के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रेरणा से उन्होंने हर दिन एक पौधा लगाने और उसका पूरी तरह संरक्षण करने का दृढ़ संकल्प लिया है। इस अभियान के तहत प्रतिदिन पांच मुख्य संकल्पों को केंद्र में रखा गया है :-

एक पेड़ माँ के नाम
एक पेड़ पितरों के नाम
एक पेड़ प्रकृति के नाम
एक पेड़ पशु-पक्षियों के नाम
एक पेड़ आने वाले भविष्य के नाम

अपने इसी दैनिक संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज नरेंद्र राजपूत ने इंदिरा नगर छावनी श्मशान घाट परिसर का रुख किया। वहां उन्होंने क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता दिवंगत धर्मेंद्र राठौर कक्का की पावन स्मृति में उनके नाम से मोरछली के पौधे का रोपण किया। इस दौरान उन्होंने पौधे को सुरक्षित रखने और उसकी नियमित देखरेख करने की जिम्मेदारी भी ली। सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान इस अवसर पर नरेंद्र राजपूत ने आम जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखना और उसका संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा अगर हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण सौंपना है, तो हमें आज ही आगे आना होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस से योग दिवस तक चलाया जा रहा जनकल्याणकारी विशेष अभियान

21 जून तक होंगे जनकल्याण शिविर, स्वच्छता, प्राकृतिक खेती और योग कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 तक विशेष जनकल्याणकारी अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर बालागुरू के. ने अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करें तथा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं योग संबंधी कार्यक्रमों में जनभागीदारी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, छात्रावासों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। साथ ही जल स्रोतों के आसपास सफाई, गहरीकरण एवं संरक्षण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की जाएं। उन्होंने अभियान की नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रगति प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि अभियान की जानकारी व्यापक स्तर पर आमजन तक पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। अभियान के तहत 12 से 18 जून 2026 तक जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के पात्र लेकिन वंचित हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा। आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी, वीबी-जी-रामजी सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कलेक्टर ने फार्मर आईडी निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

सीहोर (ए.)। किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना आवश्यक है। इसकी प्राथमिकता को देखते हुए जिले के सभी पात्र किसानों की फार्मर आईडी समय-सीमा में बनाना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा है कि जिले में भ्रमण के दौरान यह देखा गया कि फॉर्मर आईडी बनाने का कार्य अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया जा रहा हैं। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों को निर्देशित किया है कि फार्मर आईडी निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें। कलेक्टर ने चेतावनी दी है कि यदि कार्य की गति में सुधार नही लाया गया तो संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। फार्मर आईडी नहीं होने से किसानों को योजनाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो सकती है। कलेक्टर ने सभी किसानों से अपील की है कि वह फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जीवन रक्षा की दिशा में
मध्यप्रदेश की
अभिनव पहल
24/7
पीएमश्री
एयर एम्बुलेंस सेवा
जहां हर पल कीमती हो यह सेवा देती है जीवन की उम्मीद
टोल फ्री नं.
18004199006
सुविधा किसके लिए है
• आपात स्थिति विशेषकर
सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना में गंभीर घायल
• बीमारी की गंभीर अवस्था
नवजात शिशु, बच्चे, अंग प्रत्यारोपण, हृदय संबंधी आदि मामले
एयर एम्बुलेंस में सुविधाएं
• क्रिटिकल चिकित्सा राहत एवं रात्रि परिवहन हेतु अनुभवी एवं दक्ष पायलेट
• उच्च प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम
• वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, कार्डियक केस में लाइफ सेविंग सपोर्ट
शुल्क
• आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर तथा प्रदेश के बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पताल में निःशुल्क परिवहन
• गैर आयुष्मान कार्ड धारक के लिए प्रदेश के भीतर शासकीय अस्पताल में निःशुल्क लेकिन प्रदेश के बाहर अनुबंधित दर पर परिवहन, विशेष परिस्थियों में नि:शुल्क सुविधा
• अनुबंधित दर - ₹ 1,94,500 प्रति घंटा एवं ₹ 1,78,900 प्रति घंटा
निर्बाध सेवा और बैकअप व्यवस्था
• आपातकालीन सेवा के लिए 24×7 एयरक्राफ्ट तैनात
• तकनीकी खराबी या मेंटेनेंस की स्थिति में तुरंत बैकअप
अनुमति कैसे मिलेगी
• चीफ मेडिकल ऑफिसर/शासकीय चिकित्सालय के डीन द्वारा अनुमोदन
• जिला कलेक्टर/कमिश्नर हेल्थ/संचालनालय, चिकित्सा शिक्षा द्वारा स्वीकृति
D-11028/26
मरीज को कहाँ ले जाया जा सकेगा
• राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर सुपर स्पेशलिटी/उच्च चिकित्सा संस्थानों में
बीमा सुरक्षा
• थर्ड पार्टी कवर • हितग्राही बीमा • मेडिकल सुरक्षा प्रावधान
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
15 सितंबर 2025 को इंदौर में एक ट्रक हादसे में मेरी बेटी संस्कृति बेहद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे प्राथमिक इलाज के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से इंदौर से एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा गया, जहां संस्कृति का सफल इलाज हुआ। आयुष्मान कार्ड धारक न होने के बावजूद भी हमारी बेटी का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।
- श्री अशोक वर्मा, पिता
अब तक
140 लोगों ने लिया लाभ
50 से अधिक
सफल इमरजेंसी ऑपरेशन